



04 - कौन-सा विपक्ष, किसका विपक्ष और कैसा विपक्ष?



05 - संत मुक्ताबाई: सामाजिक-आध्यात्मिक योगदान देने वाली विदुषी



06 - सिकुड़ने लगी गरीबों की थाली



07 - प्रगती मंत्री श्री पवार की अध्यक्षता में जिला विकास...

# कैलाश

## प्रसंगवश

# ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट क्या है, जिस पर मचा है सियासी बवाल

### बीबीसी रिपोर्ट

**लो** कसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मोदी सरकार के ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट पर पिछले दिनों तीखा हमला किया। यह परियोजना 81 हजार करोड़ रुपये की है। राहुल गांधी ने कहा, 'ये हमारे जीवनकाल में देश की प्राकृतिक और जनजातीय विरासत के खिलाफ सबसे बड़े चोटालों और सबसे गंभीर अपराधों में से एक है।' यह परियोजना भारत के सुदूर दक्षिण-पूर्वी इलाकों में स्थित ग्रेट निकोबार आइलैंड में विकसित की जा रही है। योजना के तहत ट्रांसशिपमेंट पोर्ट, एयरपोर्ट, टाउनशिप और पावर प्लांट का निर्माण किया जाएगा। सरकार इसे खासकर हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की स्थिति मजबूत करने के लिए तैयार कर रही है। लेकिन आलोचकों का कहना है कि इस परियोजना से पर्यावरण को भारी नुकसान हो सकता है। इससे शांति और निकोबारी जनजातियों पर गंभीर असर पड़ सकता है।

राहुल गांधी ने सरकार के इस प्रोजेक्ट की आलोचना करते हुए एक वीडियो संदेश में कहा कि यह प्रोजेक्ट नहीं है। यहाँ लाखों पेड़ों को काटने के लिए उन्हें चिह्नित किया गया है। यह 160 वर्ग किलोमीटर में फैले चर्चान्वित को खत्म करने का फैसला है। यह उन समुदायों की अनदेखी है, जिनके घर उनसे छीन लिए गए हैं।

उन्होंने ग्रेट निकोबार आइलैंड के जंगलों का दौरा करते हुए कहा कि वहाँ के पेड़ लोगों की 'यादों से भी पुराने' हैं। यहाँ के जंगल पीढ़ियों से पले-बढ़े हैं और यहाँ रहने वाले खूबसूरत लोगों से उनके हक की चीज छीनी जा रही है।

द्वीप पर रहने वाला हर एक व्यक्ति इस परियोजना

के खिलाफ है, लेकिन उनसे इस परियोजना के बारे में पूछा ही नहीं गया है। उन्हें यह भी नहीं पता कि उनकी जमीन के बदले उन्हें क्या मुआवजा मिलेगा। राहुल गांधी ने इसे 'खुलेआम लूट' बताया। राहुल गांधी इस मुद्दे को लेकर निकोबार जिले के कैप्टेनल पहुंचे और वहाँ उन्होंने परियोजना के खिलाफ विरोध कर रहे आदिवासी नेताओं से मुलाकात की। कुछ आदिवासी समुदायों ने आरोप लगाया है कि केंद्र सरकार ने पारदर्शिता नहीं बरती, पर्यावरणीय जोखिमों को नजरअंदाज किया और आदिवासी अधिकारों की लगातार अनदेखी की।

दूसरी ओर भाजपा ने इस परियोजना का विरोध करने पर राहुल गांधी को घेरा है। बीजेपी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि कांग्रेस और राहुल गांधी कर रहे हैं विरोध। अंडमान निकोबार द्वीप समूह पर मोदी सरकार 92 हजार करोड़ रुपये का 'ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट' बना रही है। यह सिर्फ एक बंदरगाह नहीं, यह भारत की समुद्री सीमाओं की सुरक्षा है। यह हिंद महासागर में भारत की ताकत का एलान है, यह चीन को सीधा जवाब है। चीन नहीं चाहता यह प्रोजेक्ट बने, और हैरानी की बात यह है कि राहुल गांधी भी नहीं चाहते।

'अब सवाल यह है कि आखिर किसके इशारे पर हो रहा है यह विरोध? किसके हित में है भारत की सुरक्षा को कमजोर करना?'

ग्रेट निकोबार का इलाका सबसे अहम समुद्री मार्ग मलक्का स्ट्रेट है। जियोपॉलिटिकल तौर पर देखें तो ये बेहद अहम इलाका है। भारत और चीन दोनों के लिए हिंद महासागर में वर्चस्व कायम करना अहम रणनीतिक लक्ष्य है। खासकर ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट को चीन की 'मोतियों की माला' (स्ट्रिंग ऑफ पर्स) स्ट्रेटजी के जवाब के तौर पर देखा जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह परियोजना निवेश ला सकती है, व्यापार बढ़ा सकती है और भारत की समुद्री ताकत को मजबूत कर सकती है। ठीक वैसे ही जैसे हॉन्गकॉंग ने चीन को मजबूती दी है। 166 वर्ग किलोमीटर में फैली इस परियोजना में एक ट्रांसशिपमेंट बंदरगाह, एक बिजली संयंत्र, एक हवाई अड्डा और एक नया शहर बनेगा। ये इस इलाके को हिंद महासागर और स्वेज नहर और दूसरे अहम वैश्विक व्यापारिक मार्ग से जोड़ने के लिए डिजाइन किए गए हैं। सरकार का कहना है कि दुनिया के सबसे व्यस्त समुद्री मार्ग मलक्का स्ट्रेट के पास बन रही इस परियोजना से अंतरराष्ट्रीय व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। सरकार का अनुमान है कि 30 वर्षों में परियोजना पूरी होने तक द्वीप पर लगभग साढ़े छह लाख लोग रह रहे होंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि अरबों डॉलर की यह योजना क्षेत्र में चीन के बढ़ते असर के मुकाबले के लिए भारत के लक्ष्य का एक हिस्सा है।

लेकिन इस योजना ने उन द्वीपवासियों के बीच चिंता पैदा कर दी है, जिन्हें अपनी जमीन, संस्कृति और जीवन शैली के खोने का डर है। उन्हें डर है कि यह परियोजना उन्हें विलुप्त होने के कगार पर पहुंचा सकती है। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह दुनिया की कुछ सबसे अलग-थलग और कमजोर जनजातियों का घर है, जिनमें से पांच समूहों को 'विशेष रूप से कमजोर' के रूप में वर्गीकृत किया गया है। इनमें जारवा, उत्तरी सेंटनली, ग्रेट अंडमानी, ओंगे और शोम्पेन जनजातियां शामिल हैं। जारवा और उत्तरी सेंटनली जनजातियां काफी हद तक बाहरी दुनिया से संपर्क में नहीं आई हैं, वहीं ग्रेट निकोबार द्वीप समूह

के लगभग 400 शांतिपूर्ण लोगों को भी बाहरी दबावों के कारण अपनी जीवनशैली खोने के खतरा है। यह एक खानाबदोश जनजाति है, जिनमें से अधिकांश लोग जंगल के अंदरूनी हिस्सों में रहते हैं। उनकी संस्कृति के बारे में ज्यादा कुछ पता नहीं है क्योंकि उनमें से बहुत कम लोगों का ही बाहरी दुनिया से संपर्क रहा है।

पर्यावरणविदों का कहना है कि इस परियोजना से पर्यावरण को बहुत अधिक कीमत चुकानी होगी। भारत के पर्यावरण मंत्रालय ने कहा है कि परियोजना के लिए द्वीप के कुल क्षेत्रफल का केवल 130 वर्ग किलोमीटर या 14 फीसदी हिस्सा ही साफ किया जाएगा। फिर भी यहां लगभग साढ़े नौ लाख से अधिक पेड़ हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि वास्तविक संख्या इससे कहीं अधिक हो सकती है। साल 2024 में 39 अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों (जीनोसाइड एक्सपर्ट्स) ने चेतावनी दी कि ये प्रोजेक्ट शोपेन जनजाति के लिए डेथ सेंटेंस की तरह हो सकता है। इसके अलावा अक्टूबर 2025 में कई पर्यावरणविदों और शोधकर्ताओं के सामूहिक समूह ने सरकार को पत्र लिखकर इस प्रोजेक्ट को रोकने की मांग की थी। उन्होंने इसके पर्यावरण पर गंभीर प्रभाव की बात कही थी। इकोलॉजिस्ट माधव गाडगिल ने बताया था, 'सरकार हमेशा यह दावा करती है कि जंगल का केवल एक हिस्सा ही साफ किया जाएगा। लेकिन जो इन्फ्रास्ट्रक्चर आप बना रहे हैं, उससे ज्यादा प्रदूषण पैदा होगा। उसका असर पूरे हैबिटेट पर पड़ेगा। द्वीप के दक्षिण-पूर्वी हिस्से में स्थित गलथी बे पर इसका असर पड़ेगा, जो सदियों से विशाल लेदरबक समुद्री कछुओं के अंडे देने (नेस्टिंग) का स्थान रहा है।

(बीबीसी कलेक्टिव न्यूज रूम रिपोर्ट के संपादित अंश)

## विश्वभर की शक्तियां भारत को दबोचने मैदान में उतरतीं, हम डटे रहे, डरे नहीं

● प्रधानमंत्री मोदी ने कहा-पोकरण परमाणु परीक्षण से हिल गई थी पूरी दुनिया ● सोमनाथ मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा के 75 साल पूरे होने के मौके पर हुए शामिल

**जामनगर (एजेंसी)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को गुजरात के सोमनाथ मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा के 75 साल पूरे होने के मौके पर कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने कहा- आज का दिन एक और वजह से भी खास है। आज के ही दिन 11 मई 1998 को देश ने पोकरण में परमाणु परीक्षण किया था। तब दुनिया भर की शक्तियां भारत को दबोचने मैदान में उतर गई थीं। पीएम ने कहा- भारत के लिए सारे रास्ते बंद कर दिए गए थे। लेकिन हम डरे नहीं, डटे रहे। भारत ने पोकरण परमाणु परीक्षण को ऑपरेशन शक्ति नाम दिया था। क्योंकि शिव के साथ शक्ति आराधना ही हमारी परंपरा रही है। मैं भगवान सोमनाथ के चरणों में नमन करते हुए ऑपरेशन शक्ति की बधाई देता हूँ।



### पीएम बोले- भारत को कोई झुका नहीं सकता

सोमनाथ हमें याद दिलाता है कि कोई भी राष्ट्र तब तक मजबूत नहीं बन सकता, जब तक वह अपनी जड़ों से जुड़ा न रहे। भारत में विरासत और आधुनिकता एक-दूसरे से अलग नहीं हैं, दोनों साथ-साथ चलते हैं। हमारे देश में सांस्कृतिक और पवित्र स्थलों के पुनर्निर्माण को लेकर काफी राजनीति हुई है। दुर्भाग्य से आज भी ऐसी ताकतें हैं, जो राष्ट्रीय स्वाभिमान से ज्यादा तुष्टिकरण को महत्व देती हैं। लुटेरों ने सोमनाथ मंदिर की भव्यता मिटाने की कोशिश की। इस मंदिर को बार-बार तोड़ा गया, लेकिन हर बार इसका पुनर्निर्माण हुआ। दुनिया की कोई ताकत भारत को झुका नहीं सकती और न ही दबा सकती है।



● वाजपेयी सरकार में हुआ था दूसरा परमाणु परीक्षण- 11 मई 1998 को अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में भारत ने अपना दूसरा परमाणु परीक्षण किया था। यह काफी गोपनीय ऑपरेशन था। इसकी तैयारियां इतनी गुप्त थीं कि विदेशी खुफिया एजेंसियों को इसकी भनक तक नहीं लगी। इन परीक्षणों के जरिए भारत ने दुनिया को अपनी रणनीतिक और वैज्ञानिक ताकत दिखाई। लेकिन परमाणु परीक्षणों के बाद अमेरिका, जापान और कुछ पश्चिमी देशों ने भारत पर कई आर्थिक और तकनीकी प्रतिबंध लगाए थे।

## प्रदेश ने चीतों को अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराकर बनाया परिवार का हिस्सा : मुख्यमंत्री डॉ.यादव

# कूनो नेशनल पार्क के जंगल में विमुक्त किए 2 मादा चीते

**भोपाल (नप्र)।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश की धरती ने चीतों को अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराकर, उन्हें पुनर्स्थापित करने का महत्वपूर्ण कार्य कर अपने परिवार का हिस्सा बनाया है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने लगभग साढ़े तीन वर्ष पहले कूनो में चीता प्रोजेक्ट की शुरुआत की थी। आज देश में चीता पुनर्स्थापना का यह प्रोजेक्ट सफलता के साथ में आयातों की ओर तेजी से बढ़ रहा है। इस महत्वपूर्ण कार्य में मध्यप्रदेश नित नए कीर्तिमान रच रहा है। यह बात उन्होंने श्यांपूर जिले के कूनो नेशनल पार्क में 2 मादा चीतों को खुले जंगल में विमुक्त करते हुए कही। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कूनो नदी के किनारे स्थित चीता रिलीज साइट पर सीसीवी -2, सीसीवी -3 चीतों को खुले जंगल में छोड़ा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश धर्म, निवेश एवं जैव विविधता के



प्रमुख केंद्र के रूप में उभर रहा है। नाइजीरिया, दक्षिण अफ्रीका और अब बोल्टवाना से लाए गए चीतों के पुनर्स्थापन को निरंतर सफलता मिल रही है और आज प्रदेश ने देशभर में

चीता स्टेट के रूप में पहचान बनाई है। वर्तमान में चीतों की संख्या 57 है, जिनमें से 54 कूनो नेशनल पार्क में और 03 गांधी सागर अभ्यारण्य में हैं।

इस अवसर पर नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला, मध्यप्रदेश वन विकास निगम के अध्यक्ष श्री रामनिवास रावत, सहर्षा विकास प्राधिकरण की अध्यक्ष श्रीमती गुड्डी बाई आदिवासी, श्री शशांक भूषण, श्री राघवेंद्र जाट, श्री सुमित सिंघल, श्री शुभम मुदगल, श्री बाबू सिंह यादव, श्री कौशल गोयल आदि जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

पीसीसीएफ श्रीमती समिता राजौरा, डीआईजी श्री संजय कुमार जैन, कलेक्टर सुशीला दाहिमा, पुलिस अधीक्षक श्री सुधीर कुमार अग्रवाल, डीएफओ कूनो श्री आर थिरुकुराल, सामान्य श्री केएस रंधा, सीईओ जिला पंचायत श्रीमती सोन्या आनंद, एडीएम श्री रूपेश उपाध्याय, एडिशनल एसीपी श्री भूरिया सहित अन्य अधिकारी भी कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित थे।

## ट्रम्प ने जंग रोकने के लिए ईरान का प्रस्ताव ठुकराया

● मुझे पसंद नहीं आया, अमेरिका ने एनरिचड यूरेनियम सौंपने की शर्त रखी

**तेहरान/वाशिंगटन (एजेंसी)।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान के नए शांति प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। ट्रम्प ने ट्रूथ सोशल पर लिखा, मैंने ईरान के प्रतिनिधियों का जवाब पढ़ा। मुझे यह बिल्कुल पसंद नहीं आया। इसे स्वीकार नहीं किया सकता। इससे पहले भी ट्रम्प ने ईरान पर खेल खेलेने का आरोप लगाया था। ईरानी सरकारी मीडिया के मुताबिक, तेहरान ने रविवार को पाकिस्तान के जरिए अमेरिका को अपना नया प्रस्ताव



भेजा। रिपोर्ट के मुताबिक, प्रस्ताव में युद्ध खत्म करने, फारस की खाड़ी और होर्मुज स्ट्रेट में समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित करने, प्रतिबंध हटाने और परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत की बात कही गई थी। अमेरिका ने इस प्रस्ताव को 14 सूत्रीय प्रस्ताव भेजा था। इसके तहत ईरान को कम से कम 12 साल तक यूरेनियम संवर्धन रोकना होगा और अपने पास मौजूद करीब 440 किलो एनरिचड यूरेनियम अमेरिका को सौंपना होगा। इसके बदले अमेरिका प्रतिबंधों में ढील देगा, ईरान की फ्रीज की गई अरबों डॉलर की संपत्तियां छोड़ेगा, साथ ही ईरानी बंदरगाहों पर लगी नौसैनिक नाकेबंदी हटाएगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम और हार्डली एनरिचड यूरेनियम पर पूरी तरह समझौता करने को तैयार नहीं है।

# 45 दिनों में बीएसएफ को जमीन, आयुष्मान भारत लागू

बंगाल का सीएम बनते ही सुवेंदु अधिकारी ने लिए 6 बड़े फैसले

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** पश्चिम बंगाल के सीएम सुवेंदु अधिकारी की अध्यक्षता में सोमवार को सभी संबंधित अधिकारियों के साथ पहली कैबिनेट बैठक आयोजित की गई। बैठक के बाद सीएम सुवेंदु ने कि अधिकारियों के साथ उनकी बातचीत अच्छी रही। उन्होंने आगे कहा, हम बंगाल की जनता को भरोसा दिलाते हैं कि डबल-इंजन की सरकार में विकास से जुड़े सभी काम पूरे किए जाएंगे। इसको लेकर हमारी पहली कैबिनेट बैठक में छह फैसले लिए गए। इसके साथ ही मुख्यमंत्री सुवेंदु ने सभी मतदाताओं, चुनाव आयोग (ईसीआई), केंद्रीय बलों, पुलिस, पर्यवेक्षकों और सभी राजनीतिक दलों के प्रति आभार व्यक्त किया। वहीं, कैबिनेट बैठक में लिए गए



सभी छह फैसलों को लेकर उन्होंने कहा, हमारे संघर्ष के दौरान जिन 321 लोगों की जान चली गई, उनके संबंध में अगर उनके परिवार चाहें, तो सरकार इसकी जांच शुरू करेगी। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि सीमा सुरक्षा के

उद्देश्य से सीमावर्ती क्षेत्रों में बीएसएफ को जमीन हस्तांतरित करने की प्रक्रिया शुरू हो रही है। हमारा लक्ष्य इस हस्तांतरण प्रक्रिया को 45 दिनों के भीतर पूरा करना है। बंगाल के आयुष्मान भारत योजना भी शुरू की जाएगी।

## सरकारी नौकरी के लिए 5 साल बढ़ाई गई उम्र सीमा

जन आरोग्य योजना और प्रधानमंत्री की अन्य योजनाएं भी आने वाले दिनों में राज्य में लागू की जाएंगी। इसके साथ ही सरकारी नौकरी के लिए उम्र सीमा पांच साल बढ़ाई गई है। इसके अलावा कैबिनेट ने मुख्य सचिव को राष्ट्रीय और राज्य केन्द्र के अधिकारियों के लिए केंद्र सरकार के प्रशिक्षण को शुरू करने के लिए कदम उठाने का अधिकार दिया है।

## इन 6 फैसलों पर लगी मुहर

अत्याचार पीड़ितों के लिए सुरक्षा : जिन परिवारों पर अत्याचार हुए हैं, उन्हें सामाजिक सुरक्षा देने और उनको पूरी जिम्मेदारी देने का फैसला किया गया। आयुष्मान भारत योजना : आयुष्मान भारत योजना को अब बंगाल में लागू किया जाएगा। बीएसएफ को बाड़ के लिए जमीन : सीमा सुरक्षा बल को तारबंदी (बाड़) के लिए 45 दिनों के अंदर जमीन देने का फैसला लिया गया। भारतीय न्याय संहिता : राज्य में भारतीय न्याय संहिता को लागू करने पर मंजूरी। विस्थापितों को अधिकार : शरणार्थियों और विस्थापितों को भूमि अधिकार देने पर निर्णय लिया गया।

संक्षिप्त समाचार

## उमर अब्दुल्ला ने अमित शाह से की मुलाकात

### जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने के मुद्दे पर हुई बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला सोमवार को नई दिल्ली में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की। उमर अब्दुल्ला से जब उनसे पूछा गया कि क्या वह केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ बैठक में जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने का मुद्दा उठाएंगे, तो उन्होंने कहा कि वह जम्मू कश्मीर से जुड़े सभी मुद्दों पर बातचीत करेंगे। उन्होंने कहा, काश गृह मंत्री से एक ही मुलाकात में राज्य का दर्जा बहाल हो जाता। अगर ऐसा होता तो हमें बहुत पहले ही यह मिल गया होता। लेकिन



हां, मैं बैठक में राज्य का दर्जा बहाल करने सहित अन्य मुद्दे जरूर उठाऊंगा। मुख्यमंत्री ने जम्मू कश्मीर में शराब पर प्रतिबंध लगाने की मांग संबंधी विवादास्पद बयान पर भी स्पष्टीकरण दिया। उन्होंने कहा, शराब बेचने वाली दुकानें उन लोगों के लिए हैं, जिनके लिए इसके सेवन को लेकर कोई धार्मिक बाधाएं नहीं हैं। हमारी धार्मिक मान्यताएं इसकी अनुमति नहीं देती। समस्या यह है कि विपक्ष मेरे बयानों को तोड़-मरोड़ कर भ्रम पैदा करने की कोशिश कर रहा है। दरअसल गांधरबल में पत्रकारों से बातचीत में अब्दुल्ला ने कहा था कि जो लोग शराब पीते हैं वे अपनी मर्जी से ऐसा करते हैं, कोई उन्हें दुकानों तक नहीं ले जाता है।

## यूपी में ब्राह्मण समाज सबसे ज्यादा असुरक्षित

### मायावती बोलीं-सरकार कानून-व्यवस्था सुधारे

लखनऊ (एजेंसी)। बसपा सुप्रीमो मायावती ने यूपी मंत्रिमंडल पर कहा कि मंत्रियों की संख्या घटना-बढ़ाना सत्ताधारी पार्टी का आंतरिक मामला है। इसकी आलोचना उचित नहीं, लेकिन सरकार को इसका सकारात्मक असर आमजन, खासकर गरीबों, मजदूरों, किसानों, युवाओं और महिलाओं की सुरक्षा पर दिखाना चाहिए। नहीं तो, इसको राजनीतिक जुगाड़ और सरकारी संसाधन पर बढ़ा हुआ बोझ ही माना जाएगा। बसपा प्रमुख मायावती ने हाल ही में राजधानी लखनऊ में भाजपा के युवा ब्राह्मण नेता पर हुए जानलेवा हमले का जिफ्ट करते हुए कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि इस घटना से एक बार फिर चर्चा शुरू हो गई है कि यूपी में ब्राह्मण समाज उपेक्षित ही नहीं,

बल्कि काफी असुरक्षित भी है। मायावती ने जोर देकर कहा कि बीएसपी की सरकारों में समाज के हर वर्ग को न्याय और सुरक्षा मिली। ब्राह्मण समाज सहित सभी तबकों को सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय के सिद्धांत के तहत संरक्षण दिया गया। जान-माल और मजहब की सुरक्षा के साथ बेहतर नीति-व्यवस्था हमारी पहचान रही। सरकार संवैधानिक जिम्मेदारी निभाए- मायावती ने आगे कहा कि समाज के कमजोर तबकों सहित हर वर्ग को जान, माल व मजहब की सुरक्षा और न्याय महसूस होना चाहिए। यह सरकार और मंत्रियों की पहली संवैधानिक जिम्मेदारी है। अगर यह परिलक्षित नहीं होगा तो जनता सरकार के कार्यकलापों पर सवाल उठाएगी। बसपा सुप्रीमो का यह बयान ऐसे समय में आया है जब योगी आदित्यनाथ सरकार ने रविवार को ही मंत्रिमंडल का विस्तार किया है। यूपी सरकार में अब मंत्रियों की संख्या बढ़कर 60 हो चुकी है। योगी सरकार में दो कैबिनेट और 4 राज्य मंत्रियों ने शाप्य ली है।

## होर्मुज में भारतीय की मौत के बाद ऐक्शन में सरकार

### अब ब्रिक्स के मंच पर ईरान से होगी भारत की बातचीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में जारी तनाव और हाल ही में यहां गुजरात की एक नाव डूबने से एक भारतीय की मौत के बाद भारत सरकार ऐक्शन में आ गई है। भारत इस सप्ताह नई दिल्ली में होने वाली ब्रिक्स के शेरपा और विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान इस मुद्दे को उठाएगा और ईरान से इस पर बातचीत करेगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों देशों के बीच अहम बैठक होगी जहां भारत अपने फंसे हुए जहाजों को निकालने और सुरक्षित रास्ता सुनिश्चित कराने के लिए ईरान से बातचीत करेगा। बता दें कि दुनिया के सबसे प्रमुख जलमार्गों से एक होर्मुज में बीते मार्च महीने से ही तनाव जारी है। अमेरिका और



गुजरात था। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में तनाव बढ़ने के बाद से भारत के 11 जहाज ही यहां से बाहर निकल पाए हैं, जबकि 13 जहाज अभी भी फारस की खाड़ी में फंसे हुए हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल के मुताबिक इस मसले पर चर्चा जारी है।

गुजरात था। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में तनाव बढ़ने के बाद से भारत के 11 जहाज ही यहां से बाहर निकल पाए हैं, जबकि 13 जहाज अभी भी फारस की खाड़ी में फंसे हुए हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल के मुताबिक इस मसले पर चर्चा जारी है।

## समुद्र के रास्ते भारत लौटने का अब खुलेगा नया रास्ता

### पीएम मोदी की यूईई के साथ होगी ऐतिहासिक डील



नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य पूर्व में जारी संकट के बीच भारतीय नागरिकों को वहां से सुरक्षित बाहर निकालने का एक नया रास्ता तैयार किया जा रहा है। इसको लेकर भारत और यूईई एक ऐसे समझौते पर काम कर रहे हैं, जिससे फुजैरा बंदरगाह के रास्ते लाखों भारतीय कामगारों को निकालने में मदद मिलेगी। यह समझौता दोनों देशों के बीच पहले से ही मजबूत द्विपक्षीय संबंधों में एक और अहम कड़ी साबित होगा। जानकारी के अनुसार, पीएम मोदी 15 मई को यूरोप के लिए रवाना होंगे। इस यात्रा के दौरान वे फुजैरा में रुकेंगे और फिर नीदरलैंड्स जाएंगे। यात्रा के पहले चरण में वह फुजैरा पोर्ट पर यूईई के साथ इस समझौते पर हस्ताक्षर कर सकते हैं। पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच यह दोनों देशों के लिए ऐसा पहला समझौता होगा। इसकी वजह यह है कि फुजैरा होर्मुज जलडमरूमध्य के पश्चिम में स्थित है, जो इस युद्ध के दौरान एक मुख्य चौक-प्लांट (अवरोधक बिंदु) के रूप में उभरा है। सरकारी अनुमानों के अनुसार, यदि हवाई यातायात में किसी तरह की बाधा आती है, तो यूईई में काम करने वाले लाखों भारतीयों को जहाजों के जरिए सुरक्षित निकाला जा सकता है। पश्चिम एशिया में लगभग एक करोड़ भारतीय कामगार रहते हैं, जिनमें से लगभग 43 लाख कामगार अकेले यूईई में मौजूद हैं। मौजूदा संघर्ष के दौरान, फुजैरा जिसे आर्थिक गलियारे का संभावित शुरुआती बिंदु माना जा रहा था।

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य पूर्व में जारी संकट के बीच भारतीय नागरिकों को वहां से सुरक्षित बाहर निकालने का एक नया रास्ता तैयार किया जा रहा है। इसको लेकर भारत और यूईई एक ऐसे समझौते पर काम कर रहे हैं, जिससे फुजैरा बंदरगाह के रास्ते लाखों भारतीय कामगारों को निकालने में मदद मिलेगी। यह समझौता दोनों देशों के बीच पहले से ही मजबूत द्विपक्षीय संबंधों में एक और अहम कड़ी साबित होगा। जानकारी के अनुसार, पीएम मोदी 15 मई को यूरोप के लिए रवाना होंगे। इस यात्रा के दौरान वे फुजैरा में रुकेंगे और फिर नीदरलैंड्स जाएंगे। यात्रा के पहले चरण में वह फुजैरा पोर्ट पर यूईई के साथ इस समझौते पर हस्ताक्षर कर सकते हैं। पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच यह दोनों देशों के लिए ऐसा पहला समझौता होगा। इसकी वजह यह है कि फुजैरा होर्मुज जलडमरूमध्य के पश्चिम में स्थित है, जो इस युद्ध के दौरान एक मुख्य चौक-प्लांट (अवरोधक बिंदु) के रूप में उभरा है। सरकारी अनुमानों के अनुसार, यदि हवाई यातायात में किसी तरह की बाधा आती है, तो यूईई में काम करने वाले लाखों भारतीयों को जहाजों के जरिए सुरक्षित निकाला जा सकता है। पश्चिम एशिया में लगभग एक करोड़ भारतीय कामगार रहते हैं, जिनमें से लगभग 43 लाख कामगार अकेले यूईई में मौजूद हैं। मौजूदा संघर्ष के दौरान, फुजैरा जिसे आर्थिक गलियारे का संभावित शुरुआती बिंदु माना जा रहा था।

### एशियाई प्रीमियम शुल्क को लेकर मिलेगा भारत को लाभ

इसके साथ ही सामान की दुलाई के लिए खोर फकन नामक एक अन्य बंदरगाह का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। यहां से सामान को सड़क मार्ग के जरिए आगे भेजा जाता है। ईरान ने टीक इसी तरह से फुजैरा को अपना निशाना बनाया है। पीएम की यह यात्रा यूईई के प्रति भारत के समर्थन का संकेत है, क्योंकि यूईई पर लगातार ईरान की ओर से हमले हो रहे हैं। इसके अलावा यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है, जब यूईई ने ओपेक नामक शक्तिशाली तेल-कार्टल से खुद को अलग कर लिया है। माना जा रहा है कि सऊदी अरब के साथ कुछ मतभेदों के चलते यूईई ने यह कदम उठाया है। पिछले कुछ सालों में भारत और यूईई के बीच प्रगाढ़ होते संबंधों को देखते हुए भारत को काफी फायदा पहुंच सकता है।

### भारतीय की मौत से बढ़ी टेंशन

इस बीच एक भारतीय की मौत से चिंताएं बढ़ गई हैं। शुक्रवार को स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के पास आग लगने से एक लकड़ी की नाव पलट गई, जिसमें एक भारतीय नाविक की मौत हो गई। इसमें 18 भारतीय सवार थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक मरने वाला नाविक गुजरात का निवासी था और नाव का नाम अल फेज नूर सुलेमाना 1 था। यह नाव सात मई को दुबई से रवाना हुई थी और यमन के मुक्कम जा रही थी। 18 मई को लगभग एक बजे इस रास्ते को पार करते समय इस पर गोलीबारी हुई और यह हादसा हो गया। जानकारी के मुताबिक यह अहम बैठक 14-15 मई को होगी। समूह के विदेश मंत्रियों की इस बैठक में ईरान के डिप्टी विदेश मंत्री हिस्सा ले सकते हैं। इससे पहले इरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघवी के भी बैठक में हिस्सा लेने की चर्चा थी, हालांकि तनाव बढ़ने के बाद इसकी संभावना कम है। ईरान के अलावा रूस, ब्राजील सहित अन्य सदस्य देशों के प्रतिनिधि भी हिस्सा लेंगे।

## राजस्थान में खुलेगा प्रदेश का पहला 'गोट' बैंक

### दुर्लभ बिल्ली ने बकरी मारी तो अब सरकार देगी बकरी

### शिकार के शक में लोगों ने जलाकर मार दी थी कैरेकल

जैसलमेर (एजेंसी)। राजस्थान के जैसलमेर में दुर्लभ वन्यजीव कैरेकल कैट (सियागोश) को बचाने के लिए वन विभाग प्रदेश का पहला गोट बैंक (बकरी बैंक) शुरू करने जा रहा है। यह कदम मार्च 2026 में हुई उस दिल दहला देने वाली घटना के बाद उठाया गया है, जिसमें ग्रामीणों ने अपनी 50 बकरियों के शिकार के शक में एक दुर्लभ कैरेकल को जिंदा जला दिया था। वाइल्डलाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया के साथ मिलकर तैयार इस प्रोजेक्ट का मकसद रिजर्व



किलिंग (बदले की हत्या) को रोकना है। अब अगर कैरेकल किसी की बकरी का शिकार करेगा, तो विभाग मुआवजे की कागजी कार्रवाई के बजाय सीधे बकरी बैंक से नई बकरी पशुपालक को सौंप देगा। 50 बकरियों के बदले जला दी कैरेकल- मार्च 2026 में जैसलमेर के सरहदी इलाके में एक जला हुआ कैरेकल मिला था। ग्रामीणों ने वीडियो भी वायरल किया था पृच्छाछ में सामने आया कि कैरेकल ने ग्रामीणों की करीब 50 बकरियां मार दी थीं। गुस्से में ग्रामीणों ने पैरों के निशान का पीछा किया और कैरेकल को घेरकर मार डाला। भारत में अब महज 50 कैरेकल बचे हैं, जिनमें से जैसलमेर में सिर्फ 4 के कुनबे की पुष्टि हुई है। जैसलमेर के डीएफओ शुभम कुमार कहते हैं- हमारा टारगेट इसांनों और कैरेकल के बीच के संघर्ष को कम से कम करना है। सरहदी इलाकों में इनकी मौजूदगी हमारे इकोसिस्टम के लिए गर्व की बात है। हम चाहते हैं कि ग्रामीण इन्हें दुर्भ्रम न समझें। कैरेकल एक शर्मिली लेकिन बेहद फुर्तीला शिकारी है।



मध्यप्रदेश विधानसभा की सरकारी उपक्रमों संबंधी समिति की प्रथम परिचयात्मक बैठक समिति की सभापति अर्चना चिटनिस के सभापतित्व में आज विधानसभा भवन परिसर में आयोजित की गई। बैठक में समिति के सम्माननीय सदस्यों, श्री अशोक ईश्वरदास रोहणी, श्रीमती गायत्रीराजे पवार, श्री सुशील कुमार तिवारी, श्री फूलसिंह बरैया, श्री नितेन्द्र बृजेन्द्र सिंह राठौर एवं श्री केशव देसाई ने सहभागिता की। माननीय सभापति द्वारा समिति की भूमिका, दायित्व एवं कार्यप्रणाली पर प्रकाश डाला गया। साथ ही विधानसभा सचिवालय द्वारा माननीय सदस्यों को समिति की कार्यप्रणाली एवं सरकारी उपक्रमों की समीक्षा संबंधी प्रक्रियाओं की जानकारी दी गई। इस अवसर पर प्रधान महलेखाकार श्री श्रीरामहित भी उपस्थित रहे

## स्वतंत्रता के बाद आरएसएस को मीडिया ने भ्रामक रूप में प्रस्तुत किया : प्रखर श्रीवास्तव

भोपाल। विश्व संवाद केंद्र, मध्यप्रदेश द्वारा देवर्षि नारद जयंती के अवसर पर देवी अहिल्या सभागृह में 'देवर्षि नारद सार्थक जीवन सम्मान एवं उत्कृष्ट पत्रकारिता पुरस्कार' समारोह एवं 'संघ के 100 वर्षों की यात्रा एवं मीडिया' विषय पर विशेष परिचर्चा का आयोजन किया गया।



मुख्य वक्ता प्रखर श्रीवास्तव ने 'संघ के 100 वर्षों की यात्रा एवं मीडिया' विषय पर अपने विस्तृत वक्तव्य में कहा कि स्वतंत्रता के बाद यदि किसी संगठन को मीडिया ने सबसे अधिक गलत तरीके से प्रस्तुत किया, तो वह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ है। उन्होंने कहा कि गांधी हत्या प्रकरण के दौरान संघ को लेकर जिस प्रकार का मीडिया ट्रयाल हुआ, उसकी पृष्ठभूमि को समझने के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के पत्रों और उस समय के सरकारी दृष्टिकोण को पढ़ना आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर पर कबायलियों के आक्रमण के समय संघ के स्वयंसेवकों ने जिस प्रकार मोर्चा संभाला, वह इतिहास का महत्वपूर्ण भाग है। इतिहास में यह तो बताया जाता है कि सरदार पटेल ने संघ पर प्रतिबंध लगाया था, लेकिन यह तथ्य बहूनी कम सामने लाया जाता है कि उसी दौर में कम्युनिस्ट

नुरसत मेंहदी, जयराम शुक्ल, रमेश शर्मा, शिवकुमार विवेक, प्रकाश भटनागर सहित अन्य वरिष्ठ पत्रकार एवं मीडिया क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञ शामिल थे। देवर्षि नारद सार्थक जीवन पत्रकारिता सम्मान- कार्यक्रम में 'देवर्षि नारद सार्थक जीवन पत्रकारिता सम्मान' वर्ष 2025 महेश श्रीवास्तव तथा वर्ष 2026 कैलाश नारायण गौड़ को प्रदान किया गया। इसी प्रकार 'देवर्षि नारद उत्कृष्ट पत्रकारिता सम्मान 2025' से प्रमोद शर्मा, योगीराज योगेश, भवाना अपरप्राजिता शुक्ला, सिता, अंजु मैना तथा गोविंद सक्सेना को सम्मानित किया गया। वहीं 'देवर्षि नारद उत्कृष्ट पत्रकारिता सम्मान 2026' से अम्बुज माहेश्वरी, प्रवीण सावकर तथा बुजेश जैन को सम्मान प्रदान किया गया।

## केरलम सीएम का ऐलान जल्द वेणुगोपाल राहुल की पसंद

### कांग्रेस नेता बोले-हमारे यहां मोदी-शाह सारे फैसले लें, ऐसा सिस्टम नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की केरलम सीएम के लिए पहली पसंद केसी वेणुगोपाल हैं। सूत्रों के मुताबिक, राहुल ने दिल्ली में वेणुगोपाल से अकले में मुलाकात की। ऐसे में पार्टी जल्द ही सीएम चेहरे का ऐलान कर सकती है। वेणुगोपाल फिलहाल अलायुझा लोकसभा सीट से संबंध हैं। केरलम के अगले सीएम के चुनाव को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच कांग्रेस के सीनियर लीडर रमेश चेन्नित्थला ने भाजपा पर निशाना साधा। चेन्नित्थला ने कहा- कांग्रेस पार्टी में सीएम का चुनाव लोकतांत्रिक तरीके से होता है। हमारे यहां मोदी-शाह सारे फैसले लें, ऐसा सिस्टम नहीं है। केरलम में चुनावी नतीजे आए 6 दिन हो गए हैं।



## अब देश चलाना मोदी के बस की बात नहीं

### पीएम मोदी की 'सात अपीलें' पर राहुल गांधी ने किया पलटवार कहा-सोना न खरीदें, विदेश न जाएं जैसी अपीलें उपदेश नहीं, काकामी हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। राहुल गांधी ने सोमवार 12 साल में देश को इस मुकाम पर ला दिया है कि जनता को बताना पड़ रहा है। क्या खरीदें, क्या नहीं। कहां जाए, कहां नहीं। दरअसल, रिविवा को सिकंदराबाद में एक जनसभा में पीएम मोदी ने आयात पर निर्भरता कम करने की जरूरत पर जोर दिया था, ताकि विदेशी मुद्रा की बचत और पर्यावरण की रक्षा हो सके। पीएम मोदी रिविवा को कहा था, आज के समय में पेट्रोल, गैस और डीजल का इस्तेमाल कम करना होगा। पड़ोस में चल रहे युद्ध के असर से दुनिया परेशान है।



नई दिल्ली (एजेंसी)। राहुल गांधी ने सोमवार 12 साल में देश को इस मुकाम पर ला दिया है कि जनता को बताना पड़ रहा है। क्या खरीदें, क्या नहीं। कहां जाए, कहां नहीं। दरअसल, रिविवा को सिकंदराबाद में एक जनसभा में पीएम मोदी ने आयात पर निर्भरता कम करने की जरूरत पर जोर दिया था, ताकि विदेशी मुद्रा की बचत और पर्यावरण की रक्षा हो सके। पीएम मोदी रिविवा को कहा था, आज के समय में पेट्रोल, गैस और डीजल का इस्तेमाल कम करना होगा। पड़ोस में चल रहे युद्ध के असर से दुनिया परेशान है।

### विपक्ष ने कहा, देश में सिर्फ एक संकट 'भाजपा'

समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा, भाजपा सरकार अर्थव्यवस्था और विदेश नीति दोनों को संभालने में विफल रही है। जैसे ही चुनाव खत्म हुए, सरकार को अद्यतन 'संकट' याद आ गया। असल में देश के लिए केवल एक ही संकट है और उसका नाम भाजपा है। एएपी नेता संजय सिंह ने कहा, 'कल पीएम मोदी ने कहा कि पिछले दो महीनों से सरकार आपका बोझ उठा रही थी।

## जींस पहनने पर सास ने डांटा, बहु ने लगाई फांसी

### ससुराल में पहली बार पहनी थी, परिवज बोले- दहेज को लेकर ताने मारते थे

इंदौर (नए)। मध्य प्रदेश के इंदौर जिले में सोमवार दोपहर सास ने जींस पहनने पर डांटा तो बहु ने सुसाइड कर लिया। कमरे के अंदर फंदे से लटकी लाश मिली है। मायके पक्ष ने पति और सास पर प्रताड़ना, दहेज के ताने और मानसिक दबाव बनाने के आरोप लगाए हैं। द्राक्कपुरी पुलिस के मुताबिक, मृतक की पहचान गौरी (22) पत्नी राहुल के रूप में हुई है। सोमवार दोपहर घर में मौजूद उनकी छोटी बेटो रो रही थी। इस दौरान पति राहुल ने पत्नी गौरी को आवाज लगाई, लेकिन कमरे से कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद राहुल कमरे में पहुंचा तो गौरी फंदे पर लटकी मिली। पहली बार ससुराल में पहनी थी जींस, इसी बात पर ससुराल में जींस पहनी थी। इसी बात को लेकर उसकी सास शारदा नाराज हो गईं। गौरी की बहन पूजा ने बताया कि उनकी चचेरी बहन किरण भी उस समय घर पर मौजूद थी, जो पिछले एक महीने से गौरी के साथ रह रही थी।

## गांधी भवन में कला शिविर की शुरुआत

भोपाल। गांधी भवन न्यास द्वारा आयोजित कला शिविर की शुरुआत सर्वधर्म प्रार्थना, योग, ध्यान एवं पारंपरिक खेल कूद से हुई। ग्रीष्मकालीन अवकाश में तरुण एवं युवाओं के व्यक्तित्व विकास, अभिरुचि एवं नेतृत्व कौशल को विकसित करने इस शिविर में जीवनशैली आधारित अनेक गतिविधियों को आयोजित किया जा रहा है। प्रातः 7 बजे से आयोजित इस शिविर में चित्रकला, क्राफ्ट, गॉड आर्ट, नृत्य एवं अभिनय का प्रशिक्षण दिया गया। गांधी चर्चा में गांधी



जी के जीवन मूल्य पर संवाद आयोजित किया गया। योग में अभिषेक अज्ञानी, नृत्य में भगवती एवं तुषि, खेल गतिविधियाँ भरत एवं राजेश, क्राफ्ट में गीता तथा गॉड आर्ट में अनिल टेकम द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया। मोहन दीक्षित ने गांधी जी के जीवन एवं मूल्यों पर चर्चा की। पराग माण्डले एवं साधियों ने सर्व धर्म प्रार्थना का संचालन किया। बच्चों को कहानियों के माध्यम से सत्य, अहिंसा, सहयोग और अनुशासन जैसे गांधीवादी मूल्यों को सरल एवं रोचक तरीके से समझाया गया। शिविर में लगभग 60 साधियों ने भागीदारी की। कार्यक्रम का संचालन भगवती द्वारा किया गया। शिविर को सफल बनाने में - ध्रुव, रोहित, आशीष, पंकज, सुमन, आर्युषी, संदीप, पूजा, सिमरन, सानिया, हर्ष, कबीर, अनमोल - ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई।

## स्वयं का सत्य ढूंढती वैशाली थापा की कविताएँ

भोपाल। 'बीद एंड बैलेस' एवं 'हिन्दीस्थान प्रकाशन' के संयुक्त तत्वावधान में कवयित्री वैशाली थापा के नवीन काव्य संग्रह 'मेरे घर में पृथ्वी' पर केंद्रित 'चना पाठ एवं किताब चर्चा' का



आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत वैशाली थापा के काव्य पाठ से हुई, जिसमें उन्होंने 'सेफ्टी पिन', 'अल्पकालिक', 'दुःख ऊब जाएगा' और 'ह्वर' जैसी मार्मिक कविताओं का पाठ किया। चर्चा के दौरान मुख्य वक्ता गीत चतुर्वेदी ने कहा कि कविता में दरअसल कवि अपना सत्य ढूंढता नजर आता है, वहीं रखा दुबे चीबे ने वैशाली की कविताओं में एक दृष्ट भाव को रेखांकित करते हुए कहा कि उनका कवि सूक्ष्म चीजों को भी दर्ज करता है। विशिष्ट अतिथि प्रेमशंकर शुक्ल ने कहा कि सबकी अपनी दुनिया और अपने सच होते हैं, ऐसे में अपने सच को इस तरह लिखना आज के समय की एक जरूरी बात है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे म.प्र. उर्दू अकादमी की निदेशक नुसरत मेहदी ने कविताओं को भारतीय ज्ञान परंपरा के आलोक में देखते हुए इसे 'स्व' से 'वैशिक' होने की यात्रा बताया। इसी विशेष अवसर पर 'हिन्दीस्थान प्रकाशन' द्वारा कवयित्री को उनकी किताब की पहली रॉयल्टी भी प्रदान की गई। कार्यक्रम का सफल संचालन अनुराग तिवारी द्वारा किया गया।

## सांस्कृतिक स्वतंत्रता का जयघोष है सोमनाथ स्वाभिमान पर्व : मुख्यमंत्री

सीएम ने श्री सोमनाथ मंदिर पुनर्निर्माण की 75वीं वर्षगांठ पर दीं मंगलकामनाएं

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि सदियों के संघर्ष के बाद प्राप्त सांस्कृतिक स्वतंत्रता का जयघोष है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुजरात की पुण्यधरा पर प्रथम ज्योतिर्लिंग के रूप में विराजमान सोमनाथ श्री सोमनाथ जी के भव्य मंदिर के पुनर्निर्माण की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर शिवभक्तों को सोशल मीडिया के माध्यम से मंगलकामनाएं देते हुए यह विचार व्यक्त किए।

# मध्यप्रदेश जंगलराज का पर्याय बन चुका है: जीतू पटवारी

भोपाल (नप्र)। सतना में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए प्रदेश की बिगड़ती कानून व्यवस्था, बढ़ते अपराध, भ्रष्टाचार और भाजपा सरकार को कार्यप्रणाली पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने अपने विधायकों, मंत्रियों, उनके रिश्तेदारों और कार्यकर्ताओं को खुली छूट दे दी है कि वे जिनकी अराजकता फैलाना चाहें फैलाएँ, क्योंकि सरकार उनकी है। प्रदेश में लगातार ऐसी घटनाएँ सामने आ रही हैं जहाँ मंत्री, विधायक और उनके समर्थक अपराधों में सलिय पाए जा रहे हैं। श्री पटवारी ने शिवपुर में भाजपा विधायक प्रीतम लोधी द्वारा अधिकारियों को धमकाने और अशुभ भाषा का प्रयोग करने की घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि भाजपा नेताओं की भाषा, व्यवहार और प्रशासनिक तंत्र को डराने-धमकाने की प्रवृत्ति प्रदेश की स्थिति को स्पष्ट करती है। उन्होंने कहा कि जब सत्ता पक्ष के जनप्रतिनिधि ही प्रशासन को भयभीत करेंगे तो कानून व्यवस्था कैसे कायम रह सकती है।

उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश अब जंगलराज का पर्याय बन चुका है। बिहार और उत्तरप्रदेश को लेकर जो बातें पहले कही जाती थीं, अब वही स्थिति मध्यप्रदेश में दिखाई दे रही है। प्रदेश में अपराधियों के हैसिले बुलंद हैं और सरकार पूरी तरह मूकदर्शक बनी हुई है। श्री पटवारी ने कहा कि भ्रष्टाचार भाजपा सरकार की पहचान बन चुका है। यदि भ्रष्टाचार का सिका उखला जा तो एक तरफ भाजपा और दूसरी तरफ भ्रष्टाचार दिखाई देगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश का शायद ही कोई ऐसा सरकारी कार्यालय बचा हो जहाँ बिना भ्रष्टाचार के आम जनता का काम हो रहा हो। भ्रष्टाचार भाजपा के खून में इस तरह दौड़ने लगा है कि उसका सीधा असर जनता पर पड़ रहा है। उन्होंने उपस्थित पत्रकारों से कहा कि यदि सतना और रीवा संभाग में कोई ऐसा कार्यालय हो जहाँ बिना भ्रष्टाचार के जनता का काम हो रहा हो तो कांग्रेस पार्टी उस कार्यालय का नागरिक अभिनंदन करेगी। श्री पटवारी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी लोकतंत्र की

मर्यादाओं का सम्मान करती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस यह मानती है कि जो जीता वहीं सिकंदर, लेकिन विपक्ष होने के बावजूद जनता की आवाज उठाना और सरकार की विफलताओं को सामने लाना उसका दायित्व है। उन्होंने हाल ही में जारी एनसीआरबी रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि देश भर में होने वाले कुल अपराधों में 32 प्रतिशत अपराध मध्यप्रदेश में दर्ज होना भाजपा सरकार के जंगलराज का जीवंत प्रमाण है। महिलाओं, बच्चों, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और बुजुर्गों के खिलाफ अपराधों में प्रदेश लगातार शीर्ष पर बना हुआ है। श्री पटवारी ने कहा कि प्रदेश में महिलाओं को सुरक्षा की स्थिति अत्यंत भयावह हो चुकी है। प्रतिदिन 32 बेटियों के लापता होने की घटनाएँ सामने आ रही हैं। उन्होंने कहा कि एक तरफ भाजपा सरकार लाइली बहना योजना और महिलाओं के 33 प्रतिशत आरक्षण की बात कर महिलाओं को गुमराह कर रही है, वहीं दूसरी तरफ प्रदेश में बेटियों सुरक्षित नहीं हैं। उन्होंने कहा कि जब बेटियाँ सुरक्षित नहीं रहेंगी तो

उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार ने जबलपुर के बरगी डैम में हुए कूज हादसे की गंभीरता को देखते हुए रिविजर को एक उच्च स्तरीय न्यायिक आयोग के गठन की घोषणा की है। इस हादसे में 13 लोगों की असमय मौत हो गई थी। सरकार ने हाई कोर्ट के रिटार्ड जज जरिस्टस संजय द्विवेदी को इस एकल सदस्यीय जांच आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया है। आयोग को तीन महीने के भीतर अपनी विस्तृत रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए गए हैं। जांच के दायरे में क्या-क्या होगा? - न्यायिक आयोग मुख्य रूप से उन कारणों का पता

# मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार के पुत्र- पुत्रवधु को दिया सुखद दाम्पत्य जीवन का आशीर्वाद



भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने केन्द्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार के सुपुत्र श्री केसरी नंदन और पुत्रवधु प्रेरणा के परिणय सूत्र में बंधने पर उन्हें हार्दिक बधाई दी और उनके उज्वल भविष्य तथा सुख-शांति और समृद्धि से परिपूर्ण जीवन की कामना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वैवाहिक कार्यक्रम में सागर के निजी होटल में आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित होकर नव-दंपति को आशीर्वाद प्रदान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केन्द्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार और उनके

परिजन से भेंट कर खुशियां साझा कीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उपस्थित गणमान्य नागरिकों और जनप्रतिनिधियों से भी आत्मीय चर्चा की। इस अवसर पर खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत, नवकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री श्री रमेश शुक्ला, विधायक एवं पूर्व मंत्री श्री गोपाल भागत, विधायक श्री शैलेंद्र जैन, श्री प्रदीप लारिया, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री हीरा सिंह राजपूत, सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं परिजन उपस्थित थे।

## स्वास्थ्य राज्यमंत्री ने की राहुल गांधी पर टिप्पणी

नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने लिखा- 'ऐसा मूर्ख नेता प्रतिपक्ष अभी तक नहीं हुआ'

भोपाल (नप्र)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की देशवासियों से पेट्रोल-डीजल का संयमित उपयोग करने और एक साल तक सोने की खरीद से बचने की अपील पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की आलोचना का भाजपा ने तीखा जवाब दिया है। मध्य प्रदेश के स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री पटेल ने फेसबुक पोस्ट में नेता प्रतिपक्ष को मूर्ख करार देते हुए कहा कि उन्हें अपने पूर्वजों का भी ज्ञान नहीं है।

मंत्री पटेल ने बिना राहुल गांधी का नाम लिए (नेता प्रतिपक्ष के संदर्भ में) लिखा-पेसा मूर्ख नेता प्रतिपक्ष अभी तक नहीं हुआ है, जिसको अपने पूर्वजों का भी ज्ञान नहीं है, जिसको अपनी पार्टी की सरकारों के द्वारा की गई अपीलें का ज्ञान नहीं है।

### कांग्रेस सरकारों के दिए उदाहरण

नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने कांग्रेस शासनकाल की पुरानी अपीलें का हवाला देते हुए कहा- एक समय का खाना छोड़ दो, अपना सोना और धन सरकारी खजाने में दान करें, बचत करो और अतिरिक्त टैक्स दो, पैसे पेड़ पर नहीं लगते जैसी अपीलें कांग्रेस सरकारों ने ही की थीं।

### अनुभवहीन लोग सोने की चम्मच लिए पैदा हुए

मंत्री पटेल ने आगे लिखा कि वे उन पुरानी अपीलें की तत्कालीन परिस्थितियों को समझते हुए उनकी आलोचना नहीं कर रहे, लेकिन अनुभवहीन, सोने की चम्मच लिए पैदा हुए और पारिवारिक कच्चे के कारण पद पर विराजमान नेता प्रतिपक्ष की टिप्पणी उनके ही पूर्वजों का अपमान है।

## उज्जैन में प्रदर्शन कर रहे कांग्रेसियों पर पुलिस ने भांजी लाठी

जिला बंदर की कार्रवाई के विरोध में था प्रदर्शन

उज्जैन (नप्र)। मध्य प्रदेश के उज्जैन में कांग्रेस ने प्रदर्शन किया है। यह प्रदर्शन किसान कांग्रेस जिला अध्यक्ष पर की गई कार्रवाई को लेकर था। प्रशासन ने जिला कांग्रेस अध्यक्ष को जिला बंदर कर दिया है। प्रदर्शन कर रहे कांग्रेसियों पर पुलिस ने लाठी चटकाई है। इसमें उज्जैन के तीनों कांग्रेस विधायक शामिल हुए हैं।

### कलेक्टर कार्यालय का घेराव किया

यहां कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं द्वारा कलेक्टर कार्यालय का घेराव किया गया। कांग्रेस के इस आंदोलन को लेकर प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे। कांग्रेस कार्यकर्ताओं को धरना स्थल पर पहुंचने के पहले ही रोकने का प्रयास किया गया। बावजूद इसके करीब 1000 कार्यकर्ता कलेक्टर कार्यालय तक पहुंचे।

कलेक्टर कार्यालय के बाहर की गई थी बैरकेडिंग

उज्जैन कलेक्टर कार्यालय के बाहर पुलिस की तरफ से बैरकेडिंग की गई थी। बैरकेडिंग लांघने पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया है। इसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ता और विधायक धरने पर बैठ गए।

## मुख्यमंत्री डॉ. यादव 13 मई को नरसिंहपुर से 1835 करोड़ की राशि का करेंगे अंतरण

1.25 करोड़ लाइली बहनों को मिलेगी 36वीं किश्त

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 13 मई को मध्य प्रदेश की करोड़ों महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता और सम्मान के लिये नरसिंहपुर जिले के गोटेगंवा में 'मुख्यमंत्री लाइली बहना योजना' की 36वीं किश्त जारी करेंगे। प्रदेश की 1 करोड़ 25 लाख 22 हजार 542 लाइली बहनों के बैंक खातों में 1,835 करोड़ 67 लाख 29 हजार 250 रूपये की राशि सिंगल क्लिक से अंतरित की जाएगी। लाइली बहना योजना महिलाओं के जीवन में आर्थिक सुरक्षा, आत्मविश्वास और सम्मान का आधार बन चुकी है। नियमित आर्थिक सहायता से महिलाओं की परिवार के निर्णयों में भागीदारी बढ़ी है, पोषण एवं स्वास्थ्य स्तर में सुधार हुआ है और ग्रामीण तथा शहरी दोनों क्षेत्रों में महिलाओं की आर्थिक भूमिका मजबूत हुई है।

### योजना की शुरुआत से अब तक सशक्तिकरण की यात्रा निरंतर जारी

वर्ष 2023 जून में शुरू की गई इस महत्वाकांक्षी लाइली बहना योजना में अप्रैल 2026 तक 35 मासिक किस्तों का सफलतापूर्वक अंतरण किया जा चुका है। मई 2026 में जारी की जा रही राशि योजना की 36वीं किश्त जारी होगी। जून 2023 से अप्रैल 2026 तक महिलाओं के खातों में कुल 55,926.51 करोड़ रूपये की राशि सीधे डीबीटी के माध्यम से जमा की जा चुकी है।



कांग्रेस के इस प्रदर्शन में तराना से विधायक महेश परमार, महिंदपुर से दिनेश जैन बांस और सुसुनेर के भेरुसिंह बापू शामिल थे। इसके अलावा किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष धर्मेन्द्र चौहान शामिल थे।

### कार्यकर्ताओं को आने से रोका गया

वहीं, कांग्रेस के प्रदर्शन को देखते हुए शहर की बाहरी सीमाओं के पर भी बैरकेडिंग किया था। इस कारण कांग्रेस कार्यकर्ताओं को अलग-अलग जगहों पर रोका गया है। वहीं, धूप में प्रदर्शन के कारण कांग्रेस कार्यकर्ता घायल भी हुए हैं। जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

कांग्रेस विधायक महेश परमार का कहना है कि जिला किसान कांग्रेस के अध्यक्ष अशोक जाट के खिलाफ जो प्रकरण दर्ज हैं, वह किसानों के हित की लड़ाई में प्रदर्शन के दौरान दर्ज किए गए हैं। इसके अलावा किसी प्रकार के कोई सीधे अपराधिक प्रकरण नहीं है। राजनीतिक प्रकरणों पर जिला बंदर करना, यह प्रदेश सरकार व जिला प्रशासन की ज़्यादाती है। आज प्रदर्शन के बाद मांग से संबंधित ज्ञान कलेक्टर कार्यालय के बाहर चप्पा किया गया है। यदि जिला बंदर की कार्रवाई समाप्त नहीं की जाती है तो 7 दिन बाद फिर आंदोलन किया जाएगा।

# 13 मौतों का जिम्मेदार कौन?

सरकार ने बरगी डैम मामले में गठित किया न्यायिक आयोग, 3 महीने में देनी होगी रिपोर्ट



जबलपुर (नप्र)। मध्य प्रदेश सरकार ने जबलपुर के बरगी डैम में हुए कूज हादसे की गंभीरता को देखते हुए रिविजर को एक उच्च स्तरीय न्यायिक आयोग के गठन की घोषणा की है। इस हादसे में 13 लोगों की असमय मौत हो गई थी। सरकार ने हाई कोर्ट के रिटार्ड जज जरिस्टस संजय द्विवेदी को इस एकल सदस्यीय जांच आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया है। आयोग को तीन महीने के भीतर अपनी विस्तृत रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए गए हैं।

जांच के दायरे में क्या-क्या होगा? - न्यायिक आयोग मुख्य रूप से उन कारणों का पता

लागाया जिनकी वजह से कूज पलटा। इसके अलावा, आयोग यह भी देखेगा कि क्या हादसे के बाद रेस्क्यू ऑपरेशन और राहत कार्यों में कोई कमी रही थी? आयोग का सबसे महत्वपूर्ण काम उन अधिकारियों या ऑफिसरों की जिम्मेदारी तय करना होगा जिनकी लापरवाही से इतने बड़े स्तर पर जनहानि हुई।

पूरे प्रदेश के लिए बनेगा सेफ्टी ऑडिट प्लान- यह आयोग केवल बरगी हादसे तक सीमित नहीं रहेगा। सरकार ने इसे पूरे मध्य प्रदेश में चल रहे कूज, नावों और वाटर स्पोर्ट्स गतिविधियों

के ऑडिट की जिम्मेदारी भी सौंपी है। आयोग एक सर्टिफिकेशन सिस्टम की सिफारिश करेगा ताकि केवल सुरक्षित और प्रमाणित नावों को ही पानी में उतरने की अनुमति मिले।

नया एसओपी और क्रिक रिस्पांस टीम- आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए आयोग भविष्य के लिए स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर तैयार करेगा। साथ ही, उन सभी पर्यटन स्थलों पर 'क्रिक रिस्पांस टीम' के गठन का सुझाव देगा जहाँ जनता के लिए नौका विहार या वाटर स्पोर्ट्स की सुविधा उपलब्ध है।

## ग्वालियर एसपी ऑफिस में चाकू लेकर पहुंची रेप पीड़िता

आरोपी की जमानत रद्द करवाने की कर रही थी मांग

ग्वालियर (नप्र)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में सोमवार को एक दुष्कर्म पीड़िता एसपी ऑफिस पहुंची। उसके हाथों में चाकू था। इस युवती ने खुद की जान लेने की कोशिश की। लेकिन गनीमती रही कि मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने युवती



के हाथ से चाकू छुड़ा लिया और फिर युवती की पूरी बात सुनी। चाकू लेकर एसपी ऑफिस पहुंची पीड़िता- यह पूरा घटनाक्रम सोमवार की दोपहर को घटित हुआ। एक युवती अपने हाथों में चाकू लेकर ग्वालियर एसपी ऑफिस पहुंच गई थी। उसके हाथों में चाकू देखकर सभी लोग हैरान रह गए। युवती रोते चिल्लाते लगी और चाकू से खुद की जान लेने की बात कहने लगी। यह देखकर पुलिस वालों ने युवती को चारों ओर से घेर लिया और उसके बातों में उलझा कर उसका चाकू पकड़ लिया। पुलिसकर्मियों ने पूरी ताकत के साथ युवती के हाथों से चाकू छुड़ाया।

### उसने कई बार किया रेप- कुलभूषण राहुल ने कई बार मेरे साथ दुष्कर्म किया। लेकिन मुझे कुछ समय पहले मालूम चला कि उसने किसी और लड़की से सगाई कर ली है। यह जानकारी मिलने पर मैंने अप्रैल में झांसी रोड थाने में कुलभूषण राहुल के खिलाफ मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया था और जेल भेज दिया था। लेकिन पिछले दिनों राहुल जमानत पर रिहा हो गया। अब उसने मेरे साथ मारपीट की है मुझे जान से मारने की कोशिश भी की।

### उसकी जमानत रद्द की जाए

युवती ने कहा कि मैं चाहती हूँ कि कुलभूषण राहुल की जमानत को निरस्त किया जाए। इस मामले में पुलिस अधिकारियों का कहना है कि युवती अभी भी कुलभूषण राहुल के साथ रहना चाहती है लेकिन उसे समझाई दे दी गई है और आगे जो भी उचित कार्रवाई है वह की जाएगी।



## व्यक्ति

गिरीश जोशी

लेखक स्तंभकार हैं।



# संत मुक्ताबाई: सामाजिक -आध्यात्मिक योगदान देने वाली विदुषी

संत मुक्ताबाई का जन्म 13वीं शताब्दी में महाराष्ट्र के आपेगांव आलंदी क्षेत्र में माना जाता है। वे अपने तीन संत भाई निवृत्तिनाथ, ज्ञानेश्वर, सोपानदेव की छोटी बहन थीं। उनका परिवार सामाजिक बहिष्कार, धार्मिक रूढ़ियों की प्रताड़ना का शिकार हुआ था। उनके पिता विद्वलपंत ने पहले संन्यास लिया था लेकिन किसी कारण से बाद में फिर से गृहस्थ जीवन में लौटने के कारण समाज ने इनके परिवार का सामाजिक बहिष्कार कर दिया था। इस सामाजिक पीड़ा ने मुक्ताबाई के मन में विद्वेष की जगह करुणा, समता और आध्यात्मिकता को मजबूती से विकसित किया। उनके बड़े भाई निवृत्तिनाथ से मिले थे, जो नाथ संप्रदाय के संत थे। निवृत्तिनाथ ने ज्ञानेश्वर, सोपानदेव और मुक्ताबाई को आत्मज्ञान का मार्ग दिखाया। मुक्ताबाई की साधना में नाथपंथ की परंपरा और वारकरी संप्रदाय की भक्तिधारा का सुंदर समन्वय दिखाई देता है। वे ईश्वर को बाहरी कर्मकांड में नहीं, बल्कि अंतःकरण की शुद्धता और आत्मबोध में खोजती हैं। दूसरी ओर वारकरी संप्रदाय की विद्वल भक्ति और नामस्मरण की परंपरा ने उनकी साधना और अभिव्यक्ति को लोकप्रिय बनाया। इस प्रकार मुक्ताबाई के व्यक्तित्व में नाथ संप्रदाय और वारकरी भक्ति परंपरा का अद्भुत समन्वय मिलता है।

अनेक कथाओं में ये उल्लेख भी मिलता है कि जब ज्ञानेश्वर सामाजिक विरोध और मानसिक वेदना से व्यथित होते, तब मुक्ताबाई उन्हें धैर्य, समता और क्षमा का भाव धारण करने का संदेश देती थीं। उनकी प्रसिद्ध उक्ति 'विश्व रागे झाले वन्ही, संत सुखे व्हावे पाणी' अर्थात् जब संसार क्रोध और द्वेष की अग्नि बन जाए, तब संतों को शीतल जल के समान बन जाना चाहिए। एक बार की बात है। समाज के अपमान और तिरस्कार से दुःखी और निराश होकर ज्ञानेश्वर ने स्वयं को एक कुटिया में बंद कर लिया था। तब मुक्ताबाई ने 'ताटी (कुटिया का दरवाजा) खोलो' ये विनती करते हुए अभंग लिखे हैं 'इस अभंगों में करुणा, समता, क्षमा और संत स्वभाव का गहन तत्त्वज्ञान व्यक्त हुआ है।

ताटी के अभंगों में सबसे प्रसिद्ध है- 'ताटी उघडा ज्ञानेश्वरा। योगी पावन मनाचा।' मुक्ताबाई ज्ञानेश्वर से कहती हैं कि सच्चा योगी लोगों के व्यवहार से विचलित नहीं होता।

'संत जेणे व्हावे। जग बोलणे सहावे।' संत वही कहलाए। जो जग की बातें सह जाए। इस पंक्ति में संत स्वभाव का सार व्यक्त किया गया है कि संत वही हो सकता है जो दुनिया की निंदा, अपमान, उपेक्षा आदि को सहन करना सीख जाता है। 'धोरपण जेथे वसे। तेथे भूतदया असे।' जहाँ महानता बसती है। वहाँ प्राणिमात्र पर दया होती है। मुक्ताबाई के अनुसार सच्ची महानता प्रत्येक प्राणियों के



प्रति दया और करुणा में होती है।

संत मुक्ताबाई के 'ताटी के अभंग' वारकरी संत साहित्य में अत्यंत प्रसिद्ध और आध्यात्मिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण माने जाते हैं।

## साहित्यिक योगदान

मुक्ताबाई की रचनाएँ मुख्यतः अभंग शैली में

उपलब्ध हैं। उनकी वाणी सरल, मार्मिक और अनुभवप्रधान है। उनके अभंगों के प्रमुख विषय आत्मज्ञान, समता, और सामाजिक भेदभाव का विरोध, वैराग्य-माया, अहंकार और लोभ से मुक्ति का संदेश तथा भक्ति, ईश्वर के प्रति निष्कपट प्रेम और समर्पण रहे हैं।

## सामाजिक दृष्टि एवं नारी विमर्श का स्वर

मुक्ताबाई का व्यक्तित्व मध्यकालीन समाज में नारी सशक्तिकरण का उदाहरण है। उन्होंने यह सिद्ध किया कि स्त्री केवल गृहस्थी तक सीमित नहीं, बल्कि वह ज्ञान, साधना और समाज सुधार की वाहक भी हो सकती है। उनकी वाणी में स्त्री की स्वतंत्र चेतना, आत्मसम्मान और आध्यात्मिक अधिकार स्पष्ट दिखाई देते हैं। इसलिए आधुनिक महिला विमर्श की दृष्टि से मुक्ताबाई का अध्ययन जरूरी है।

मुक्ताबाई की विशेषता उनके ज्ञानप्रधान भक्ति दर्शन में दिखाई देती है। जैसे मीराबाई का केंद्र कृष्णप्रेम है, वैसे ही मुक्ताबाई का केंद्र आत्मज्ञान और समरसता है। आधुनिक स्त्री विमर्श के संदर्भ में मुक्ताबाई का अध्ययन इसलिए महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि उन्होंने 13वीं शताब्दी में ही स्त्री की बौद्धिक क्षमता, आध्यात्मिक समानता, सामाजिक अस्मिता और मानवीय गरिमा को स्थापित किया।

## आध्यात्मिक समानता

मुक्ताबाई का जीवन यह प्रतिपादित करता है कि ईश्वर-प्राप्ति, ज्ञान और मोक्ष में स्त्री-पुरुष का कोई भेद नहीं है। उनकी भूमिका से स्पष्ट हुआ कि स्त्री भी गुरु हो सकती है। स्त्री भी दार्शनिक संवाद कर सकती है। उनका प्रभाव वारकरी संप्रदाय और मराठी संत साहित्य पर गहरा पड़ा है। उनकी रचनाओं में स्त्री अनुभव, सामाजिक पीड़ा और आध्यात्मिक उत्कर्ष का अद्भुत समन्वय मिलता है।

## भाषा और अभिव्यक्ति

मुक्ताबाई ने लोकभाषा मराठी में अभंग रचे। उनकी वाणी में सहजता, अनुभव की प्रामाणिकता, करुणा, प्रतिरोध की सौम्य शैली और आत्मविश्वास स्पष्ट दिखाई देता है। वे स्वतंत्र स्त्री वैचारिकी की प्रतिनिधि हैं।

## जीवन का अंतिम चरण

किंवदंतियों के अनुसार अल्पायु में ही उन्होंने देहत्याग किया। किंतु उनका आध्यात्मिक प्रभाव वारकरी परंपरा में आज भी जीवित है। वे महाराष्ट्र की प्रारंभिक स्त्री संत कवियत्री हैं। उन्होंने भक्ति को सामाजिक समता से जोड़ा। उनकी वाणी में ज्ञानेश्वर की परंपरा का दार्शनिक विस्तार मिलता है। वे स्त्री-आध्यात्मिक नेतृत्व का सशक्त उदाहरण हैं। संत मुक्ताबाई का जीवन यह सिद्ध करता है कि आध्यात्मिक महानता आयु, लिंग या सामाजिक स्थिति पर निर्भर नहीं करती, बल्कि अंतःकरण की निर्मलता पर आधारित होती है। मुक्ताबाई की वाणी आज भी समाज को यह संदेश देती है कि जब संसार द्वेष से जल रहा हो, तब मनुष्य को प्रेम, शांति और करुणा का जल बनना चाहिए।

## आध्यात्मिक संस्कार

मुक्ताबाई को आध्यात्मिक संस्कार उनके बड़े भाई निवृत्तिनाथ से मिले थे, जो नाथ संप्रदाय के संत थे। निवृत्तिनाथ ने ज्ञानेश्वर, सोपानदेव और मुक्ताबाई को आत्मज्ञान का मार्ग दिखाया। मुक्ताबाई की साधना में नाथपंथ की परंपरा और वारकरी संप्रदाय की भक्तिधारा का सुंदर समन्वय दिखाई देता है। वे ईश्वर को बाहरी कर्मकांड में नहीं, बल्कि अंतःकरण की शुद्धता और आत्मबोध में खोजती हैं। दूसरी ओर वारकरी संप्रदाय की विद्वल भक्ति और नामस्मरण की परंपरा ने उनकी साधना और अभिव्यक्ति को लोकप्रिय बनाया। इस प्रकार मुक्ताबाई के व्यक्तित्व में नाथ संप्रदाय और वारकरी भक्ति परंपरा का अद्भुत समन्वय मिलता है।

## संत ज्ञानेश्वर के जीवन में भूमिका

मुक्ताबाई केवल संत ज्ञानेश्वर की बहन ही नहीं थीं, बल्कि उनकी आध्यात्मिक यात्रा की सहयात्री भी थीं।

## विचार

सुदर्शन व्यास

लेखक स्तंभकार हैं।



'माला फेरत जुग भया, फिरा न मन का फेर, कर का मनका डारि दे, मन का मनका फेर।'

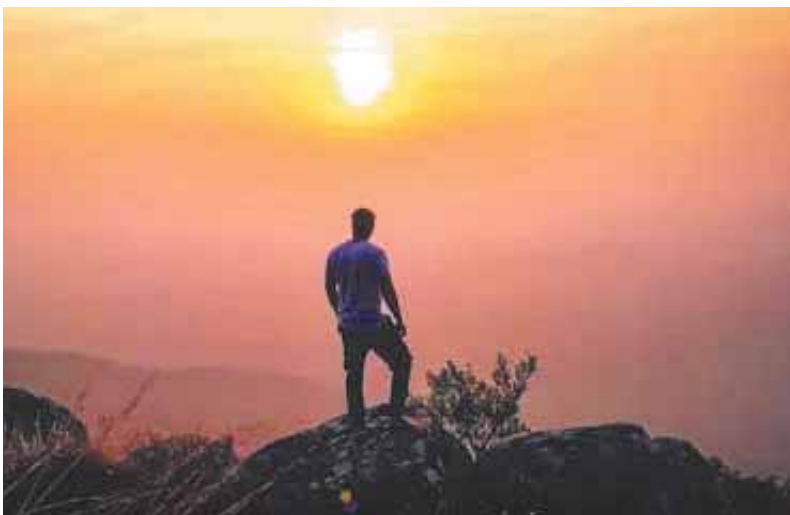
कबीरदास जी ने मन के मति को भाँपते हुए ये दोहा लिखा था, जिसका भावार्थ है कि माला फेरते हुए युग बीत गए, लेकिन मन का चंचलपन (मन का भाव) नहीं बदला। कबीर कहते हैं कि हाथ की माला को छोड़ो और मन के मोतियों को बदलो, अर्थात् मन को शांत करो।

हमारा मन मानव शरीर का सबसे चंचल हिस्सा कहा जाता है, ये भले ही शरीर का भौतिक हिस्सा नहीं है, लेकिन मस्तिष्क और हृदय की कार्यप्रणाली को यही चलायमान भी करता है और रोकता भी है। हम महसूस करेंगे कि दिनभर में हज़ारों विचार घुमड़कर आते हैं। कुछ प्रेरित करते हैं तो कुछ डराते हैं। कुछ विचार हमें गुस्सा दिलाते हैं तो कुछ लालच भी जगाते हैं। कुछ ईर्ष्या पैदा करते हैं तो कुछ प्रेम की अभिव्यक्ति जगाते हैं, लेकिन सच्चाई तो ये है कि जरूरी नहीं कि हमारे मन में आया हर एक विचार सच ही हो! इसलिए ये समझना भी जरूरी है कि मन में आये हर एक विचार का

अनुसरण किया जाये ये जरूरी भी नहीं।

## विचार हमारे वश में नहीं लेकिन अनुसरण वश में है

यकीनन, विचारों का आना हमारे वश में नहीं होता, लेकिन उनका अनुसरण करना या उन्हें छोड़ देना तो हमारे वश में होता है। विचारों का चयन कर उन्हें अपनी जिंदगी पर लागू कर हम अपने जीवन और व्यक्तित्व का निर्माण करते हैं, जो कि हमारी मूल पहचान होती है। हमारे भाव, भाषा, शैली, अभिव्यक्ति, पसंद, नापसंद- ये सब मन के उन विचारों का ही प्रतिफल होता है, जो कि हमारी दुनिया को हमारी पहचान बताता है। इसे ऐसे समझ सकते हैं कि हमारा मन एक फैक्ट्री है जो कि विचारों का निर्माण कर सकता है, लेकिन वो हमारा मालिक नहीं है कि जो



विचार मन में आया है हम उसपर अक्षरशः अमल करें।

## हर विचार पर अमल सही नहीं होता

हमारा मन परिस्थितियों के वश में होता है। वो गुस्से में कहेगा कि - सब छोड़ दो। डर में कहेगा कि- तुमसे नहीं होगा। अहंकार में कहेगा कि बदला लो और जब प्रेममय होगा तो समर्पण इतना होगा कि प्राण तक सहज रूप से न्यौछर हो जाएंगे। ऐसे में सवाल यही है कि क्या हर बार उसकी सुनोगे? हमें विचारों को देखना - सीखना होगा, लेकिन ये ध्यान रखना होगा कि उन विचारों में हम डूबें नहीं। हम आसमान हैं और हमारे विचार बादल की तरह हैं। ये सहसा आते हैं, शोर करते हैं और चले जाते हैं। हर विचार पर अमल करने से पहले

हमें सवाल करना होगा कि क्या इस पर अमल करना सही होगा? या इस पर अमल करने के बाद परिणाम क्या होंगे? असल में हमारा मन सिर्फ एक टूल है लेकिन हम इससे पूरी तरह अलग हैं। मन में आया हर एक विचार आदेश नहीं होता। कुछ विचार सिर्फ परीक्षा की तरह होते हैं, उन्हें न मानना ही दयालुता है। जो विचारों को चुनना जानता है- वही असल में जिंदगी को भी चुनना जानता है। हमें मन में आये विचारों को अच्छी तरह से सुनकर, फिर बुनकर, फिर सोचकर और समझकर अमल करने की जरूरत है...अंततः आप पाएंगे कि आपका जीवन स्वर्ग से सुंदर है। तनावरहित और खूबसूरत भी। इसीलिए तो कबीरदास जी कह गये हैं कि 'मन के मते न चलिये, मन के मते अनेक'।

## राजनीति

सिद्धार्थ शर्मा



पाँच राज्यों में चुनाव हुए। भारत के करीब दस प्रतिशत लोगों ने वोट डाले। तीन राज्यों में सरकार बदली। जिन 14 करोड़ लोगों ने वोट डाला उसमें 8 करोड़ वोट क्षेत्रीय दलों को पड़े। सर्वाधिक 8 करोड़ वोट के बावजूद क्षेत्रीय दल एक ही राज्य में सरकार बनाएंगे। सबसे कम 2 करोड़ वोट वाली कांग्रेस भी एक राज्य में सरकार बना लेगी और दूसरे नंबर पर 4 करोड़ वोट वाली भाजपा 3 राज्यों में सरकार बना लेगी।

5 में से 2 राज्यों में जीतने वाले नए दल ने लोगों का शुक्रिया अदा किया, नई सरकार बनाने की कवायद शुरू की। एक राज्य में जीत के जश्न ने हिंसक रूप लिया। लोगों से लेकर विपक्ष तक के साथ अभद्रता और गुंडई का बोलबाला दिखा। संस्कृति की विकृति सामने आई।

ईरान युद्ध और ट्रम्प के सभ्यता को विनाश करनेवाली घोषणा के बाद से सभ्यता शब्द चर्चा में आ गया है। दुनिया भर में अलग अलग सभ्यताएँ हैं। फारस प्रकृतिवादी सभ्यता है इसीलिए होर्मुज की प्रकृति को पकड़े हुए है। पश्चिम की सभ्यता भौतिक है तो भौतिक हथियारों से प्राकृतिक तेल को हिंसा से जीतने की जिद्द में है। रीगस्तानी सभ्यता जहाँ हरियाली वहाँ कार्बन लेकर चल देती है-इसीलिए खाड़ी के देश में कुछ अमेरिका के साथ तो कुछ ईरान

के झूलते दिखते हैं।

भारत की भी अपनी सभ्यता है। सभ्यताएँ धर्म और राजनीति से पुरानी और व्यक्ति से बड़ी होती हैं। पहले सभ्यता बनती है, उसमें से धर्म, सत्ता, व्यक्ति निकलते भी हैं और उसीमें विलीन भी हो जाते हैं। भारत की भी सभ्यता बहुत पुरानी है। इस सभ्यता से कई धर्म, बहुत सारी सत्ताएँ और सैकड़ों पीढ़ियाँ पैदा भी हुईं और विलीन भी। पिछले 800 साल में भारत पर इस्लाम, ईसाई और हिन्दू सत्ताएँ रहीं - फिर भी भारतीय सभ्यता अपने स्थान पर स्थित है।

मतलब सभ्यता, संस्कृति जैसी चीजें इतनी बड़ी होती हैं कि कोई उसे बचाने की औकात नहीं रखता। बस सभ्यता के अनुसार व्यवहार या तो किया जाता है, या तो विपरीत। ईरान ने अपनी सभ्यता के अनुसार आचरण किया, होर्मुज नाम की प्रकृति के इर्द गिर्द अपना आचरण रखा तो बाहरी भौतिक सभ्यता के हमले तक को आराम से निपट दिया। ईरान ने अपनी सभ्यता को बचाने का काम नहीं किया। बस अपनी सभ्यता के अनुसार आचरण

किया। सभ्यता या संस्कृति क्योंकि धर्म और राज्य सत्ता से प्राचीन होती हैं, इसीलिए किसी भूभाग में लंबे समय तक टिके रहने हेतु हर

भारतीय उपमहाद्वीप को यदि हिंदू सभ्यता मानें तो हिंदू अर्थात् क्या? मूलतः आरण्यक सभ्यता होने के चलते भारत की सभ्यता

देखकर दुखी होता है, वही 'हिन्दू' कहलाता है। ऐसी संस्कृति जो पेड़-पौधे जानवर आदि तक को देव माने -वो सारी चीजें जिन्हें दुनिया की

दूसरी सभ्यताएँ भोजन मानकर खा लेती हैं, उन सब वस्तुओं को भारत पूज्य मानता है।

दुनिया जिसे खाती है, भारत यदि उसे पूजता है, मतलब भारत किसी विषय का निष्कर्ष दुनिया भर के प्रचार से प्रभावित होकर नहीं, बल्कि मौलिक विचार करके पहुँचता है ये सिद्ध हुआ। इसीलिए विश्व को प्राचीन भारत ने शून्य दिया, पाई दिया, ग्राम गणराज्य दिया, अहिंसा दी। सब मौलिक। दुनिया में पहली बार, पूरी तरह से नायाब। भारतीय होना यानी अपना विशिष्ट स्वतंत्र परिचय होना, सूर्य के तरह स्वयंप्रकाशी, चाँद की तरह अन्य के प्रकाश पर निर्भर नहीं।

इस भारतीय सभ्यता में पिछले तीन दशकों की एक पीढ़ी ने एक नया आयाम जोड़ा है। वैश्विक आवागमन सुलभ होने के चलते भारत के करीब 30 करोड़ परिवारों में से 3 करोड़

सभ्यता एक जीवनशैली अपनाती है और इसी कारण हज़ारों सालों तक अलग अलग सत्ताओं के बावजूद मूल चरित्र बनाए रखने के चलते अस्तित्व बनाये रखती हैं।

अहिंसक है, जियो और जीने दो वाली है। आचार्य विनोबा भावे ने बृहस्पति आगम के अनुसार बताया की 'हिंसा द्युते चित्तं तेन हिन्दु रितिरितः'-इसका अर्थ है- जिसका मन हिंसा को

# मन के मते न चलिये, मन के मते अनेक

हमारा मन मानव शरीर का सबसे चंचल हिस्सा कहा जाता है, ये भले ही शरीर का भौतिक हिस्सा नहीं है, लेकिन मस्तिष्क और हृदय की कार्यप्रणाली को यही चलायमान भी करता है और रोकता भी है। हम महसूस करेंगे कि दिनभर में हज़ारों विचार घुमड़कर आते हैं। कुछ प्रेरित करते हैं तो कुछ डराते हैं। कुछ विचार हमें गुस्सा दिलाते हैं तो कुछ लालच भी जगाते हैं। कुछ ईर्ष्या पैदा करते हैं तो कुछ प्रेम की अभिव्यक्ति जगाते हैं, लेकिन सच्चाई तो ये है कि जरूरी नहीं कि हमारे मन में आया हर एक विचार सच ही हो! इसलिए ये समझना भी जरूरी है कि मन में आये हर एक विचार का अनुसरण किया जाये ये जरूरी भी नहीं।

# चुनाव बाद हिंसा के कारण

भारत की भी अपनी सभ्यता है। सभ्यताएँ धर्म और राज्य सत्ता से प्राचीन होती हैं, इसीलिए किसी भूभाग में लंबे समय तक टिके रहने हेतु हर भारतीय उपमहाद्वीप को यदि हिंदू सभ्यता मानें तो हिंदू अर्थात् क्या? मूलतः आरण्यक सभ्यता होने के चलते भारत की सभ्यता देखकर दुखी होता है, वही 'हिन्दू' कहलाता है। ऐसी संस्कृति जो पेड़-पौधे जानवर आदि तक को देव माने -वो सारी चीजें जिन्हें दुनिया की दूसरी सभ्यताएँ भोजन मानकर खा लेती हैं, उन सब वस्तुओं को भारत पूज्य मानता है। दुनिया जिसे खाती है, भारत यदि उसे पूजता है, मतलब भारत किसी विषय का निष्कर्ष दुनिया भर के प्रचार से प्रभावित होकर नहीं, बल्कि मौलिक विचार करके पहुँचता है ये सिद्ध हुआ। इसीलिए विश्व को प्राचीन भारत ने शून्य दिया, पाई दिया, ग्राम गणराज्य दिया, अहिंसा दी। सब मौलिक। दुनिया में पहली बार, पूरी तरह से नायाब। भारतीय होना यानी अपना विशिष्ट स्वतंत्र परिचय होना, सूर्य के तरह स्वयंप्रकाशी, चाँद की तरह अन्य के प्रकाश पर निर्भर नहीं।



परिवारों से एक व्यक्ति भारत से बाहर भौतिकवादी सभ्यता के पाश्चात्य देशों में रहने लगा है। वो 3 करोड़ लोग सालाना करीब 12 करोड़ रुपये भारत भेजते हैं -जो की भारत सरकार के 36 करोड़ बजट का 1/3 है। मतलब पिछली एक पीढ़ी में औसत भारत की भौतिकवाद पर निर्भरता बढ़ी है। अपने खुद की प्राचीन अहिंसक सहयोगी सभ्यता से गए हुए लोग अब वहाँ के नवीन पाश्चात्य भौतिक हिंसक सभ्यता से रूबरू भी हुए हैं और उस सभ्यता के अंशों को भारत भेज भी रहे हैं -विकास, उपभोक्तावाद, हिंसा पर विश्वास आदि के रूप में।

वर्तमान भारतीय सभ्यता एक रोचक मोड़ पर खड़ी है जहाँ 10 में से 7 भारतीय अपनी प्राचीन विकेन्द्रीकृत, मौलिक विचार और अहिंसक संस्कृति के अनुसार आचरण कर रहे हैं जबकि 10 में से 3 हिन्दुस्तानी आधुनिक दूसरी सभ्यताओं से प्रभावित होकर केन्द्रीकृत, प्रचार आधारित, जिसकी लाठी उसकी भैंस के आधार पर आचरण कर रहे हैं। और वर्तमान भारत ने क्योंकि संख्यासुर नाम के संसदीय बहुमत का शासन मॉडल अपनाया है, तो उसमें 51=100 और 49=00 के आधार पर सरकारें सत्ता में आ-जा रही हैं। ये ऊँट अतंतोपाला किस करवट बैठेगा, प्राचीन भारतीय दार्शनिक सभ्यता के अनुरूप, या आधुनिक पाश्चात्य भौतिक सभ्यता के करवट, ये कहना अभी मुश्किल है।

महंगाई

एकता शर्मा

(लेखिका, सामाजिक विस्तारक)



आम आदमी की जिंदगी पहले ही महंगाई, उठरती आय और बढ़ते खर्चों के बीच संतुलन बनाने की जद्दोजहद में उलझी हुई थी, लेकिन अब रसोई की आग और तेज हो गई है। कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम बढ़ने का सीधा असर सिर्फ होटल और ढाबों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि धीरे-धीरे यह असर हर उस थाली तक पहुंचता है, जो आम आदमी की जेब से जुड़ी होती है। शहरों में जहां छोटे-छोटे भोजनालय, चाय-नाश्ते की दुकानें और मिड-रेंज होटल रोजमर्रा के खानपान का हिस्सा हैं, वहां दाम बढ़ते ही सबसे पहले ग्राहक की थाली छोटी और महंगी हो जाती है।

कमर्शियल सिलेंडर के भाव बढ़ने का मतलब केवल रसोई का बजट बिगड़ना नहीं है। यह पूरी खाद्य आपूर्ति श्रृंखला पर दबाव बनाता है। होटल मालिक, ढाबे वाले, समोसे-कचौरी बनाने वाले, पोहा बेचने वाले, चाय की दुकान चलाने वाले सभी को अपने बड़े हुए खर्च का बोझ किसी न किसी तरह ग्राहक पर डालना पड़ता है। यही वजह है कि जहां पहले 70 रु में मिलने वाली थाली अब 90 रु तक पहुंच गई है, वहीं बड़े होटलों में हर डिश के दाम में 50 तक की बढ़ोतरी देखी जा रही है। समोसे, कचौरी और पोहे जैसे लोकप्रिय नाश्ते भी अब 5 रु महंगे हो गए हैं। जो चीजें कभी मामूली खर्च में पेट भरने का सहारा थीं, वे अब धीरे-धीरे बजट से बाहर होती जा रही हैं।

यह बढ़ती-धरती सिर्फ आंकड़ों की बात नहीं है, यह उस आम आदमी की पीड़ा है जो दिनभर मेहनत करके शाम को थोड़ी राहत के लिए बाहर खाना खाता था। कई लोगों

आम आदमी की थाली अब सिर्फ रोटी-सब्जी का पुलाव नहीं, बल्कि महंगाई का तड़का बन गई है। कमर्शियल गैस सिलेंडर के दामों में हुई बढ़ोतरी ने न सिर्फ होटल-रेस्तरां की कीमतों को आकाश छुआ दिया, बल्कि स्ट्रीट फूड से लेकर चाय-समोसे तक हर चीज पर महंगाई का प्रहार किया। इससे गरीब और मध्यमवर्गीय की जेब खाली होने लगी। देखने में लगता है कि कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत बढ़ने से आम आदमी कहां प्रभावित हुआ! पर, सोचिए उस रोज कमाने वाले के लिए जिसका लंच एक समोसा और चाय हुआ करता था, वो प्रभावित हुआ है।

के लिए बाहर का नाश्ता या खाना विलासिता नहीं, बल्कि सुविधा है। नौकरीपेशा लोग, मजदूर, छोटे व्यापारी, छात्र और अकेले रहने वाले लोग अक्सर बाहर के भोजन पर निर्भर रहते हैं। जब नाश्ते की प्लेट, चाय का कप और रात की थाली सब महंगी होने लगती हैं, तो सबसे पहले कटौती स्वाद से नहीं, जरूरतों से शुरू होती है। लोग बाहर खाना कम कर देते हैं, फिर धीरे-धीरे गुणवत्ता और मात्रा से समझौता करने लगते हैं। 'नेल्सन आईक्यू' के एक अध्ययन के मुताबिक, 30 प्रतिशत परिवारों ने सप्ताह में एक बार बाहर खाने पर 25 प्रतिशत कटौती कर दी। बच्चे अब मम्मी के हाथ बना खाना ही खा रहे।

इस महंगाई का एक और पक्ष भी है। होटल और ठेला व्यवसायियों के लिए भी यह आसान स्थिति नहीं है। वे भी उपभोक्ता हैं और गैस, तेल, किराया, मजदूरी, सब्जी, दाल, आटा और मसालों के बढ़ते दामों से जुझ रहे हैं। लेकिन उनकी मजदूरी यह है कि लागत बढ़ने पर उन्हें कीमत बढ़ानी पड़ती है, वरना कारोबार चलाना मुश्किल हो जाता है। इस स्थिति में ग्राहक और

दुकानदार, दोनों ही एक ही चक्र में फंस जाते हैं। दुकानदार कहता है कि दाम न बढ़ाए तो नुकसान होगा, ग्राहक कहता है कि अब खाए भी तो कैसे खाए। यह



आर्थिक दबाव का ऐसा दायरा है जिसमें कोई भी पूरी तरह सुरक्षित नहीं बचता।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि कमाई की गति और महंगाई की रफ्तार में भारी अंतर है। आम आदमी की

आय जस की तस है या बहुत धीमी गति से बढ़ रही है, जबकि आवश्यक वस्तुओं और सेवाओं के दाम लगातार ऊपर जा रहे हैं। ऐसे में 5 रु, 10 रु या 20 रु की बढ़ोतरी भी परिवार के मासिक बजट को हिला देती है। जो थाली पहले कुछ राहत देती थी, वह अब चिंता का कारण बन रही है। कई परिवारों में बाहर का खाना 'कभी-कभी का आनंद' था, लेकिन अब वह भी धीरे-धीरे कम होने लगा है। यह सिर्फ खाने की कीमत नहीं, जीवन की सहजता पर चोट है।

अंतरराष्ट्रीय घटनाएं भी अब सीधे घरेलू जीवन को प्रभावित करने लगी हैं। अमेरिका और ईरान जैसे देशों के बीच तनाव या युद्ध जैसी स्थितियां वैश्विक ऊर्जा बाजार को अस्थिर करती हैं। पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में उतार-चढ़ाव का असर भारत जैसे आयात-निर्भर देश में तुरंत दिखाई देता है। कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतें बढ़ती हैं तो उसका असर केवल होटल व्यवसाय तक सीमित नहीं रहता, बल्कि थोक और खुदरा दोनों स्तरों पर खाद्य महंगाई को बढ़ावा मिलता है।

वैश्विक राजनीति का असर जब समोसे और पोहे तक पहुंचे, तो समझना चाहिए कि अर्थव्यवस्था कितनी गहराई से जुड़ी हुई है।

एक साधारण उदाहरण से बात और स्पष्ट हो जाती है। एक छोटा भोजनालय हर दिन 4 सिलेंडर खर्च करता है। यदि हर सिलेंडर पर कुछ सौ रुपये की बढ़ोतरी हो जाए, तो उसका मासिक खर्च हजारों रुपये बढ़ जाता है। वह इस बोझ को अपने लाभांश से नहीं झेल सकता, इसलिए उसे प्लेट के दाम बढ़ाने पड़ते हैं। फिर ग्राहक सोचता है कि वही थाली, जो कल तक सस्ती थी, आज क्यों महंगी हो गई। यह महंगाई का वह चक्र है जिसमें कोई भी कड़ी अलग नहीं, सब एक-दूसरे से जुड़ी होती है। आम आदमी की सबसे बड़ी पीड़ा यही है कि उसकी जरूरतें रहते हैं, लेकिन खर्च लगातार बढ़ रहे हैं। उसे खाना भी चाहिए, बचत भी करनी है, बच्चों की पढ़ाई भी चलानी है और घर का किराया भी भरना है।

ऐसे में जब थाली पर ही महंगाई का तड़का लग जाए, तो जीवन का स्वाद फीका पड़ जाता है। वह थरथराने लगती है। यह स्थिति केवल आर्थिक ही नहीं, सामाजिक भी है। क्योंकि, इससे जीवन की छोटी-छोटी खुशियां महंगी होती जा रही हैं। सीमित आय वाला व्यक्ति अब शाम को घर लौटते समय अपने लिए कोई चीज लेने से पहले सोचने लगा। इसलिए आज जरूरत है कि सरकार, प्रशासन और बाजार तीनों मिलकर ऐसे उपाय करें, जिससे लागत का बोझ कम हो और उपभोक्ता पर अनावश्यक दबाव न पड़े। स्थिति केवल भाषणों से नहीं, ठोस नीति से मिलेगी। वरना यही हाल रहा तो आने वाले समय में लोग बाहर का खाना सिर्फ स्वाद के लिए नहीं, हिसाब लगाकर खाएंगे।

## नवागत कलेक्टर राजीव रंजन मीना के सख्त तैवर, विभाग प्रमुखों को चेताया, रहे अपडेट

### लापरवाह तहसीलदार दीपाली जाधव को थमाया नोटिस

धार। कलेक्टर कार्यालय में आयोजित समय-सीमा (टीएल) पत्रों की समीक्षा बैठक में नवागत कलेक्टर राजीव रंजन मीना का सख्त तैवर देखने को मिला। बैठक से गायब रहने वाली तहसीलदार दीपाली जाधव को कलेक्टर ने तत्काल 'कारण बताओ' नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। वहीं, विभागीय गतिविधियों की जानकारी न होने पर पीजी कलेज धार के जिम्मेदार अधिकारी को भी कड़ी फटकार लगाई। कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि विभाग प्रमुख को अपनी हर गतिविधि की जानकारी होनी चाहिए।

'कांटे बढ़ाए, किसान को इंतजार न करना पड़े' - कलेक्टर ने गेहूं खरीदी केंद्रों की स्थिति पर चिंता जताते हुए कहा कि केंद्रों पर किसानों की भीड़ जमा नहीं होनी चाहिए।

फोकस- डेहरी, बिड़वाल और कानवन केंद्रों पर मिली शिकायतों के बाद यहाँ प्रतिदिन मॉनिटरिंग के निर्देश दिए गए हैं।

टारगेट- जिन केंद्रों पर 80 प्रतिशत से कम खरीदी हुई है, वहां नोडल अधिकारी प्राथमिकता से काम करेंगे।



'शाला त्यागी' बच्चों को दोबारा स्कूल लाएं

शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जो बच्चे स्कूल छोड़ चुके हैं, उन्हें चिन्हित कर दोबारा शिक्षा से जोड़ें।

निरीक्षण- सभी एसडीएम को जिले के छात्रवासों का औचक निरीक्षण करने को कहा गया है।

सुविधा- बालिका छात्रवासों के शौचालयों में पानी और साफ-सफाई से कोई समझौता नहीं होगा।

### 30 जून तक चलेगा विशेष अभियान

जिले में 16 विभाग मिलकर जल स्रोतों के संरक्षण का काम कर रहे हैं।

सखी- पीपेचई को पानी की कालिटी टेरिंग और स्कूल शिक्षा विभाग को टिकियों की सफाई की डेट मार्किंग (टंकी पर सफाई की तारीख लिखना) अनिवार्य करने के निर्देश दिए।

अमृत सरोवर- कलेक्टर ने अमृत सरोवर प्रोजेक्ट की प्रोग्रेस रिपोर्ट भी तलब की है।

### कुपोषण के लिए होगा 'डोर टू डोर' सर्वे

स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए गए कि एनोमिया और कुपोषण को जड़ से खत्म करने के लिए घर-घर जाकर सर्वे करें। मातृ मृत्यु दर की हर सप्ताह समीक्षा होगी। साथ ही, आयुष्मान कार्ड और जेएसवाई जैसी योजनाओं के पंड़िंग केस जल्द निपटाने को कहा।

### खास-खास

कलेक्टर ने कहा कि सीएसआर फंड की राशि का उपयोग बिना प्लानिंग और बिना एनओसी के नहीं होगा।

खेतों में आग लगाने (नरवाई) की घटनाओं पर अंकुश लगाने और कार्रवाई करने के निर्देश।

सीएम हेल्पलाइन विभागवार रैकिंग सुधारने और शिकायतों को कैटेगरी के हिसाब से बांटकर हल करने के निर्देश।

लोक सेवा गारंटी और राजस्व के मामलों में समय-सीमा का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जनता के काम पहली प्राथमिकता है।

बैठक में जिला पंचायत सीईओ अभिषेक चौधरी, अपर कलेक्टर संजीव केशव पाण्डेय सहित सभी जिला स्तर के अधिकारी मौजूद थे।

## कृषक कल्याण वर्ष 2026 अंतर्गत बी-पैक्स में नवीन सदस्यता अभियान एवं कालातीत ऋण वसूली हेतु शाखा प्रबंधकों को दिए निर्देश

जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक धार में बैंक के समस्त शाखा प्रबंधकों की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई

धार। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक धार में बैंक के समस्त शाखा प्रबंधकों की मासिक समीक्षा बैठक मुख्यालय सभाकक्ष में 9 मई को आयोजित की गई।

समीक्षा बैठक में बैंक मुख्य कार्यपालन अधिकारी के. के. रायचवार द्वारा सर्वप्रथम म.प्र. शासन द्वारा घोषित कृषि कल्याण वर्ष 2026 अंतर्गत बी-पैक्स संस्थाओं में अधिक से अधिक नवीन सदस्यता अभियान अंतर्गत लक्ष्य निर्धारित किये गये थे।

इस अभियान के अंतर्गत जिला बैंक धार द्वारा 5000 से अधिक नवीन सदस्यों को संस्था में सदस्यता ग्रहण कर पैक्स में जोड़ा गया तथा 15 मई 2026 तक निर्धारित लक्ष्य की पूर्ति हेतु सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ कार्य करने के निर्देश बैठक में उपस्थित समस्त शाखा प्रबंधकों को दिये गये थे। संस्था के कालातीत सदस्यों की ऋण वसूली हेतु व्यक्तिगत संपर्क कर ऋण जमा करने हेतु समझौदा देने का अभियान चलाये जाने एवं शाखा प्रबंधक के साथ-साथ



समस्त क्षेत्राधिकारी भ्रमण पर जाकर कालातीत सदस्यों से संपर्क स्थापित किये जाने तथा उन्हें ऋण जमा कर शासन की 0(शुच्य) प्रतिशत ब्याज दर पर योजना का लाभ लेने हेतु प्रेरित करने हेतु निर्देशित किया गया है। इसी के साथ अग्रिम खाद उठाने हेतु किसानों को अवगत करने, खरीफ ऋण वितरण, कृषि ऋणों की मांग/वसूली, गेहूं उत्पादन अंतर्गत समर्थन मूल्य लिफ्टिंग से वसूली के कार्य, धारा 84-85 में आपन जाही, प्रत्येक एवं मुख्यालय कर्मचारी क्रिषा योजना के संबंध में विस्तार

पूर्वक जानकारी दी जाकर नियत समयावधि में कार्य करने हेतु निर्देशित किया साथ ही समस्त शाखा प्रबंधकों को संस्थाओं की साप्ताहिक बैठक करने के निर्देश दिये गये। बैठक में सोनिया लाड प्रबंधक लेखा, सीरवर्सिंह समकारिया, विपणन अधिकारी, उज्जवल वर्मा, स्थापना प्रभारी, विकास लाड प्रभारी शाखा प्रबंधक, अंकित परमार, योजना एवं विकास प्रभारी एवं बैंक के समस्त शाखा प्रबंधक एवं मुख्यालय कर्मचारी उपस्थित रहे है।

## मूलनायक श्री शातिनाथ भगवान का जन्म तप मोक्ष कल्याणक महामहोत्सव 15 मई को मनाया जाएगा

धार। दिगंबर जैन समाज धार 15 मई शुक्रवार को दिगंबर जैन मंदिर धार के मूलनायक श्री शातिनाथ भगवान का जन्म, तप और मोक्ष कल्याणक महा महोत्सव भव्य स्तर पर पूज्य माताजी 105 श्री चंद्रमति माताजी के पावन सानिध्य में मनाया जाएगा।



जानकारी देते हुए समाज अध्यक्ष श्रेणिक गंगवाल ने बताया कि इस पावन अवसर पर विशेष अभिषेक, शांतिधारा, शांतिनाथ महा मंडल विधान पूजन के पश्चात संध्या कालीन महाआरती लघु नाटिका मंचन का आयोजन किया जाएगा। इस महोत्सव के सभी कार्यक्रमों में निर्देशन इंदौर के प्रतिष्ठित विधानाचार्य पंडित भरत जी शास्त्री व पंडित विमल जी जैन शास्त्री का रहेगा। विधान पूजन में संगीत अनुभव जी जैन इंदौर के प्रसिद्ध संगीतकार द्वारा दिया जाएगा। जानकारी मीडिया प्रभारी संजय गंगवाल ने दी।

## बाइकें भिड़ीं, दो की मौत, परिजनों ने शव रखकर किया चक्काजाम

### आरोप - समय पर इलाज नहीं मिलने के कारण घायल ने तोड़ा दम

बैतूल। भैंसदेही क्षेत्र में रविवार रात दो बाइक में आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भैंसदेही में इलाज में लापरवाही के आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने जमकर हंगामा किया और सड़क पर शव रखकर चक्काजाम कर दिया। परिजन और ग्रामीण डॉक्टरों पर कार्रवाही की मांग कर रहे थे।

आरोप है कि डॉक्टरों के समय पर उपचार नहीं किये जाने के कारण घायल की मौत हो गई। यदि सही समय पर उपचार मिल जाता तो घायल को बचाया जा सकता था। इधर सूचना मिलते ही एसडीएम, एसडीओपी, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी सहित पुलिस मौके पर पहुंचे। अधिकारियों के आश्वासन के बाद हंगामा शांत हुआ। जानकारी के अनुसार, भैंसदेही-बरहपुर-झरख रोड पर दो बाइक आमने-सामने टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि पोहर निवासी जगदीश पिता गणपति अडलक (40) की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं मालेगांव निवासी अंकुश पिता धनराज



वाघमारे (22) को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई। हादसे में घायल मालेगांव निवासी भूपेंद्र पिता धर्मराज वाघमारे (22) और पोहर निवासी सुनीता जगदीश अडलक (38) को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल बैतूल रेफर किया गया है। जहां दोनों का इलाज जारी है।

परिजन बोले- डॉक्टरों ने समय पर नहीं किया उपचार - घटना के बाद मृतकों के परिजन और बड़ी संख्या में ग्रामीण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। यहां डॉक्टरों और ग्रामीणों के बीच तीखी

बहस हो गई। लोगों ने आरोप लगाया कि ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर ने गंभीर घायलों का समय पर उपचार नहीं किया। जिसके कारण उसकी मौत हो गई। मृतक अंकुश वाघमारे के पिता दिनेश वाघमारे ने आरोप लगाया कि डॉक्टर अपने केबिन में बैठे रहे और उनके बेटे को देखने तक नहीं आए। अस्पताल बैतूल रेफर किया गया है। डॉक्टर से विनती की, तो उन्होंने कहा खुद जाकर देख लो, कहकर नाजागी जाहिर करने लगे। जिससे आक्रोशित लोगों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सामने बैठकर विरोध शुरू कर दिया। काफी देर रात तक हंगामा होते रहा।

### शव रखकर किया चक्काजाम

इलाज में लापरवाही से नाराज ग्रामीणों ने अस्पताल परिसर में विरोध प्रदर्शन किया और दोनों शवों को सड़क पर रखकर चक्काजाम कर दिया। स्थिति बिगड़ने पर मौके पर एसडीएम अर्जुन मरावी, एसडीओपी और भारी पुलिस बल पहुंचा। भैंसदेही और आठनेर से भी अतिरिक्त पुलिस बल बुलाया गया। स्थानीय लोगों ने यह मुद्दा भी उठाया कि भैंसदेही जैसे बड़े स्वास्थ्य केंद्र में पूर्णकालिक बीएमओ (ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर) की नियुक्ति नहीं है। वर्तमान में भीमपुर के बीएमओ डॉ. दीपक निगवाल को भैंसदेही का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है, जिससे स्वास्थ्य व्यवस्था प्रभावित होने के आरोप लगाए जा रहे हैं।

### जानकारी मिलते ही भैंसदेही पहुंचे सीएमएचओ

मृतक के परिजनों और ग्रामीणों द्वारा विरोध प्रदर्शन किये जाने की सूचना मिलते ही सीएमएचओ मनोज हुरमाड़े रात्रि में ही भैंसदेही पहुंचे। सीएमएचओ ने मृतक के परिजनों और ग्रामीणों से चर्चा की। पूरे मामले की जानकारी हासिल करने के बाद मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. मनोज हुरमाड़े ने मामले की जांच कराने और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। जिसके बाद ग्रामीण और परिजनों ने प्रदर्शन बंद किया। ग्रामीणों का आरोप है कि भैंसदेही सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं। यहां डॉक्टरों की कमी के कारण ग्रामीणों को समय पर उपचार नहीं मिल पाता है। जिससे ग्रामीणों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

## मंगोनाकलां में बनेगा ओपन जिम, युवाओं को मिलेगा फिटनेस और स्वस्थ जीवन का नया मंच

बैतूल / मुस्ताई। प्रभात पट्टन विकासखंड के ग्राम मंगोनाकलां में अब ग्रामीण युवाओं को फिटनेस के लिए बेहतर सुविधा मिलने जा रही है। गांव में ओपन जिम निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री एवं मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष सुखदेव पांसे ने कहा कि ओपन जिम की सुविधा शुरू होने से गांव के युवक-युवतियां नियमित रूप से व्यायाम कर सकेंगे, जिससे स्वास्थ्य और खेल गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह पहल युवाओं को नरों से दूर रखकर स्वस्थ और सकारात्मक



जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करेंगे। उन्होंने बताया कि ग्राम मंगोनाकलां के युवा और ग्रामीण लंबे समय से ओपन जिम निर्माण की मांग कर रहे थे। ग्रामीणों की मांग को ध्यान में रखते हुए उन्होंने राज्यसभा सांसद विवेक तन्हा को इस संबंध में अवगत कराया। इसके बाद सांसद निधि से ग्राम मंगोनाकलां में ओपन जिम निर्माण के लिए 10 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई। भूमिपूजन कार्यक्रम में सरपंच रीता महादेव बारस्कर, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मुस्ताई अध्यक्ष अरुण यादव, मिश्रीलाल धाकड़, नामदेव हरसुले, गौरव बारस्कर, हितेश शरबड़े, नरेंद्र बोड्डे, सुभाष, योगेश सारतकर, अणेश वागदे, मनीष सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

## जनगणना सोहागपुर ग्रामीण का 92 प्रतिशत कार्य पूर्ण, उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 6 सुपरवाइजर का सम्मान

सोहागपुर। जनगणना 2027 में ग्रामीण चार्ज सोहागपुर का 92 प्रतिशत कार्य पूर्ण करके निरंतर लक्ष्य की तरफ अग्रसर हो रहे हैं। इसी तारतम्य में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 06 सुपरवाइजर सम्मानित किए गए हैं। चार्ज अधिकारी एवं तहसीलदार आर के झरबड़े ने बताया कि भारत सरकार की जनगणना 2027 के प्रथम चरण अंतर्गत संचालित हाउस लिस्टिंग एवं हाउसिंग गणना कार्य में ग्रामीण चार्ज सोहागपुर के द्वारा उल्लेखनीय उपलब्धि प्राप्त की है। जिसमें अब तक कुल 92 प्रतिशत कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। यह उपलब्धि सभी सुपरवाइजरों एवं प्रणालियों की मेहनत, समन्वय, कर्तव्यनिष्ठ एवं समयबद्ध कार्यप्रणाली का परिणाम है। ग्रामीण चार्ज सोहागपुर अंतर्गत सुपरवाइजर सक्रिय क्रमांक 06, 15, 18, 22, 25 एवं 30 का कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण



किया गया है। जिसमें उत्कृष्ट कार्य निष्पादन के लिए संबन्धित सुपरवाइजर प्रवीण दुबे, मोनिश अवस्थी, राजन रुचवंशी,

निखिलेश रुचवंशी, के. एस. धुर्वे एवं चंद्रकान्त पालीवाल को तहसीलदार एवं चार्ज अधिकारी आरके झरबड़े ने प्रशस्ति पत्र

प्रदान कर सम्मानित किया गया तहसीलदार एवं चार्ज अधिकारी रामकिशोर झरबड़े ने आगे कहा कि जनगणना जैसे राष्ट्रीय महत्व के कार्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों को सम्मानित एवं प्रोत्साहित करने से अन्य कर्मियों को भी प्रेरणा मिलती है। उन्होंने सभी प्रणालियों एवं सुपरवाइजरों से अपेक्षा की कि वे इसी उत्साह, समर्पण एवं प्रतिबद्धता के साथ शेष कार्य भी शीघ्र पूर्ण करें। जिससे सोहागपुर ग्रामीण जनगणना 2027 जिले में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें।

इस अवसर पर एसडीएम श्रीमती प्रियंका भल्लावी, फील्ड ट्रेनर जेडर वर्मा, विपिन गिह्रा, जनगणना लिपिक, कानूनगो रहल साहू, निवाचन प्रोग्रामर अमित मिश्रा सहित अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने समस्त सम्मानित सुपरवाइजरों को शुभकामनाएं एवं बधाई दी।

## संक्षिप्त समाचार

### शिविर लगाकर की गई हेपेटाइटिस बी एवं सी, एचआईवी तथा सिफिलिस की जांच

**सीहोर (निप्र)।** राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग द्वारा सीहोर में उच्च जोखिम समूह की जांच के लिए शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 92 व्यक्तियों की हेपेटाइटिस बी एवं सी, एचआईवी तथा सिफिलिस की जांच की गई। शिविर में डॉ. रुचिरा उडके, पीयर सपोटेर, आईसीटीसी काउंसलर, लैब तकनीशियन, परियोजना प्रबंधक उपस्थित थे।

### कलेक्टर श्री विश्वकर्मा की अध्यक्षता में ब्लैकआउट मॉकड्रिल की तैयारियों के संबंध में बैठक आयोजित

**रायसेन (निप्र)।** कलेक्टर श्री अरुण कुमार विश्वकर्मा की अध्यक्षता में नागरिक सुरक्षा के अंतर्गत रात्रि ब्लैकआउट मॉकड्रिल संबंधी कार्ययोजना के संबंध में कलेक्टर सभाकक्ष में बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य युद्ध, हवाई हमले या किसी अन्य राष्ट्रीय आपातकाल के दौरान रोगियों को छिपाने के उपाय और विभिन्न विभागों के बीच समन्वय की जांच करना है। बैठक में बताया गया कि इस मॉकड्रिल को सुचारू और सुरक्षित रूप से संपन्न कराने के लिए विभागवार विस्तृत रूपरेखा तैयार की गई है। बैठक में अपर कलेक्टर श्री मनोज उपाध्याय, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री कमलेश कुमार, सहायक कलेक्टर श्री अंकित जैन सहित संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में बताया गया कि मॉकड्रिल के दौरान जनता में दहशत न फैले, इसके लिए मॉकड्रिल से 2-3 दिन पहले समाचार पत्रों, रेडियो, टीवी और सोशल मीडिया के माध्यम से आमजन को मॉकड्रिल के बारे में पर्याप्त प्रचार प्रसार किया जाए। नागरिकों को बताया जाए कि सायरन बजते ही घर की सभी लाइटें बंद कर दें, खिड़कियों पर पर्दे डाल दें और सड़क पर वाहन रोककर उनकी हेडलाइट बंद कर दें। साथ ही किसी भी प्रकार की भ्रामक खबर या अफवाह को फैलाने से रोकना भी जरूरी है।

### जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल संरक्षण जागरूकता कार्यशाला आयोजित

**सीहोर (निप्र)।** जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत उद्यानिकी विभाग द्वारा बुधनी तहसील के ग्राम होलीपुरा में जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का उद्देश्य कृषकों एवं आमजन को जल संरक्षण के महत्व, वर्षा जल संचयन तथा सूक्ष्म सिंचाई तकनीकों के प्रति जागरूक करना था। कार्यशाला में किसानों को जल संरक्षण के व्यावहारिक उपायों, फसल जल प्रबंधन तथा उद्यानिकी फसलों में जल उपयोग दक्षता के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। कृषकों को खेत स्तर पर जल संरक्षण हेतु ड्रिप सिंचाई, स्पिकलर सिंचाई, मल्लिचा, फार्म पॉन्ड, एवं वर्षा जल संचयन जैसी तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर सरपंच श्री कमल सिंह ओझा सहित उद्यानिकी विभाग के अधिकारी और किसान उपस्थित थे।

### वीष्म ऋतु को देखते हुए खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई, 9 खाद्य नमूने जांच के लिए भेजे

**बैतूल (निप्र)।** जिला कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे के निर्देशानुसार एवं अभिहित अधिकारी श्री शैलेंद्र बडोनिया के मार्गदर्शन में खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा बगडोना तहसील चोड़ाडोंगरी के शहरी क्षेत्र में खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच कार्रवाई की गई। खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री संदीप पाटिल एवं श्री पुरुषोत्तम भंडुरिया द्वारा ग्रीष्म ऋतु को दृष्टिगत रखते हुए बजरंग जूस सेंटर से विभिन्न प्रकार के जूस के कूल 6 नमूने संग्रहित किए गए। वहीं उसव किराना स्टोर से हल्दी, मिर्ची एवं धनिया के 3 नमूने लिए गए। इस प्रकार कुल 9 खाद्य नमूने जांच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजे जा रहे हैं। जांच के दौरान खाद्य प्रतिष्ठानों को साफ-सफाई बनाए रखने तथा खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने बताया कि खाद्य पदार्थों की जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नियमानुसार आगामी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। विभाग द्वारा जांच अभियान निरंतर जारी रहेगा।

### जिला अस्पताल में रक्तदान शिविर आयोजित

**सीहोर (निप्र)।** विश्व थैलेसीमिया दिवस के अवसर पर सीहोर जिला अस्पताल में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में डॉक्टर, स्टाफ व समाजसेवी संस्थाओं के सदस्यों ने रक्तदान किया। शिविर में लगभग 40 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। सिविल सर्जन डॉ. यूके श्रीवास्तव ने बताया कि थैलेसीमिया से जुड़े मरीजों को नियमित रूप से रक्त की आवश्यकता होती है। इसी संदर्भ को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से यह रक्तदान शिविर आयोजित किया गया, ताकि नागरिकों को रक्तदान के लिए प्रेरित किया जा सके। शिविर में श्रीमती अरुणा राय, सिविल सर्जन डॉ. यूके श्रीवास्तव, उंगली रक्तदान गुप्त के सदस्यों और अस्पताल के डॉक्टर एवं स्टाफ ने रक्तदान कर जीवन बचाने का संदेश दिया। इस अवसर पर डॉ. शिव सक्सेना, श्रीमती भारती पठारीया, श्री अंबर मालवीय, श्री अंशु, श्रीमती प्रियंका खुर्वशी, श्री धर्मेन्द्र, श्री निर्मल कचनेरोया सहित स्टाफ उपस्थित था।

### एसडीएम श्री विजय राय की अध्यक्षता में किसान हित के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित

**नर्मदापुरम (निप्र)।** अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कार्यालय में अधीक्षण यंत्री नहर विभाग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में एसडीएम विजय राय द्वारा विभागीय कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान एसडीएम श्री राय ने निर्देशित किया कि किसानों को वर्तमान कृषि कार्यों के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा न हो तथा उनकी समस्याओं का समय-समय पर प्रभावी निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने विशेष रूप से नहरों में सुचारू जल प्रवाह बनाए रखने, खाद की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने एवं उपार्जन केंद्रों की व्यवस्थाओं को व्यवस्थित एवं सुचारू बनाए रखने पर जोर दिया। एसडीएम श्री राय ने कहा कि किसानों को शासन की योजनाओं का लाभ निर्बाध रूप से प्राप्त हो तथा उन्हें किसी भी स्तर पर परेशानी का सामना न करना पड़े, इसके लिए सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करें।

# प्रभारी मंत्री श्री पंवार की अध्यक्षता में जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक संपन्न

**रायसेन (निप्र)।** जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास विभाग मंत्री तथा जिले के प्रभारी मंत्री श्री नारायण सिंह पंवार की अध्यक्षता में कलेक्टर सभाकक्ष में संपन्न हुई। बैठक में सांची विधायक डॉ. प्रभुराम चौधरी, भोजपुर विधायक श्री सुरेंद्र पटवा, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री यशवंत मीणा, पूर्व कैबिनेट मंत्री श्री रामपाल सिंह, जनपद अध्यक्ष सांची श्रीमती अर्चना पोते, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सविता सेन, कलेक्टर श्री अरुण कुमार विश्वकर्मा, एसपी श्री आशुतोष गुप्ता, जिला पंचायत सीईओ श्री कमल सोलंकी तथा श्री राकेश शर्मा सहित जिला विकास सलाहकार समिति के सदस्यगण तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के प्रारंभ में प्रभारी मंत्री श्री पंवार ने कहा कि रायसेन जिला भोपाल के समीप है और इसे भोपाल का हिस्सा ही माना जाता है। रायसेन जिले का विकास भी इसी तर्ज पर हो रहा है। विगत कुछ माह में रायसेन में राष्ट्रीय स्तर के सांसद खेल महोत्सव, उन्नत कृषि महोत्सव सहित विभिन्न कार्यक्रम हुए हैं, जिनका लाभ जिले को मिला है। इसके अलावा रायसेन किले पर रोप-वे के निर्माण को भारत सरकार की अनुमति मिल गई है, मेडिकल कॉलेज का भी निर्माण होना है। रायसेन जिला पर्यटन की दृष्टि से भी बहुत प्रसिद्ध है। जिले में हर क्षेत्र में विकास की अपार संभावनाएं हैं और इसके दृष्टिगत कार्य भी किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि शासन की नीति है प्रत्येक विकासखंड में एक बेहतर खेल मैदान हो, इसके लिए भी कार्य किया जाए। राजस्व विभाग की समीक्षा करते हुए उन्होंने सीमांकन, नामांतरण, बंटवारा



आदि प्रकरणों के निराकरण में लापरवाही नहीं बरतने की हिदायत देते हुए कहा कि नागरिकों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर ना लगाना पड़े। इसी प्रकार खाद्य आपूर्ति, ऋण वसूली आदि पर भी ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने नगरीय क्षेत्रों में अधिजन चलाकर अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए। पीएचई विभाग की समीक्षा के दौरान उन्होंने पेयजल संसाधन जीवित करने के निर्देश देते हुए कहा है नागरिकों को पेयजल की समस्या ना हो इसके लिए योजना बनाकर कार्य करें। उन्होंने गन्ने की फसल हेतु खाद की उपलब्धता सुनिश्चित करने, ग्राम पंचायतों में विद्युत कनेक्शन आदि

के संबंध में भी दिशा निर्देश दिए। उन्होंने जनपद सीईओ को पांचवे वित्त की राशि से मुक्तिधाम में शेड लगवाने के निर्देश दिए। बैठक में प्रभारी मंत्री ने जिले में उपार्जन कार्य और किसानों को राशि भुगतान की जानकारी लेते हुए निर्देश दिए कि उपार्जन केंद्रों पर तैल कांटों की संख्या बढ़ाई जाए तथा किसानों को राशि भुगतान की कार्यवाही शीघ्रता से की जाए। साथ ही किसानों को अपनी उपज विक्रय में कटिनाई ना हो, इसके लिए उपार्जन केंद्रों पर बेहतर इंतजाम हों। उन्होंने जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों में किए जा रहे कार्यों की भी समीक्षा कर दिशा-निर्देश दिए।

### माचना नदी को जलकुम्भी से मुक्त करने उठे सैंकड़ों हाथ

## स्वस्थ जीवन के लिए नदियों का स्वच्छ होना आवश्यक : मोहन नागर



**बैतूल (निप्र)।** जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत बैतूल की जीवनदायिनी नदी माचना को जलकुम्भी से मुक्त करने के लिए अब बड़ी संख्या में नागरिक श्रमदान के लिए आगे रहें हैं। शनिवार को सदर क्षेत्र के माचना घाट पर सैंकड़ों नागरिकों ने माचना स्वच्छता अभियान में सहभागिता की। नागरिकों के नियमित श्रमदान व नगरपालिका द्वारा पोक्लेन और जेसीवी मशीनों के सहयोग से सदर क्षेत्र में माचना जलकुम्भी मुक्त होकर नदी में पानी दिखने लगा है। नदी स्वच्छता के इस नियमित

अभियान में प्रातः 7 बजे से ही लोग श्रमदान के लिए आने लगे हैं। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की जिले भर की प्रफुटन, परामर्श दाता व नवांकुर समितियों के सदस्य, पारदी ढाना बस्ती के युवाजन, ग्रीन टाइगरस के सदस्य, माचना जन्मोत्सव समिति, स्वस्ति स्वच्छता अभियान में सहभागिता की। नागरिकों के नियमित श्रमदान व नगरपालिका द्वारा पोक्लेन और जेसीवी मशीनों के सहयोग से सदर क्षेत्र में माचना जलकुम्भी मुक्त होकर नदी में पानी दिखने लगा है। नदी स्वच्छता के इस नियमित

### जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक संपन्न

**बैतूल (निप्र)।** लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्यमंत्री तथा जिले के प्रभारी मंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने कहा कि जिला विकास सलाहकार समिति के सदस्यों द्वारा जनहित में दिए गए महत्वपूर्ण सुझावों पर प्रभावी क्रियान्वयन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पेयजल समस्या से प्रभावित ग्रामों में बोरिंग, मरम्मत एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं कर जल आपूर्ति सुचारू बनाई जाए तथा जल संरक्षण एवं संवर्धन के कार्यों को बढ़ावा देकर जिले में पेयजल समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाए।

शनिवार को प्रभारी मंत्री श्री पटेल की अध्यक्षता में जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में केंद्रीय राज्यमंत्री जनजातीय कार्य श्री दुर्गादास उडके, प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक बैतूल श्री हेमन्त खंडेलवाल, विधायक भैसदेही श्री महेंद्र सिंह चौहान, विधायक मुलताई श्री चंद्रशेखर देसाय, विधायक आमला डॉ. योगेश पंडा, विधायक चोड़ाडोंगरी गंगाबाई उडके, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजा पवार, जिला विकास सलाहकार समिति

## जनहित के महत्वपूर्ण सुझावों पर होगा प्रभावी अमल : प्रभारी मंत्री श्री पटेल



सदस्य श्री सुधाकर पवार, कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे, पुलिस अधीक्षक वीरेंद्र जैन सहित समिति सदस्य एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने मुख्यमंत्री वृंदावन ग्राम योजना की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि जिले की सभी विधानसभा क्षेत्रों में चिन्हित ग्रामों में योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन कर सभी योजनाओं में सेचुरेशन लाया जाए। उन्होंने जल संरक्षण, सड़क निर्माण, उपार्जन, बिजली व्यवस्था एवं खाद वितरण से जुड़े समिति सदस्यों के सुझावों को शीघ्र अमल

में लाने के निर्देश दिए। उपार्जन एवं खाद वितरण की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि केंद्रों पर किसानों के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित रहें। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा किसानों की स्टॉट बुकिंग एवं खाद वितरण संबंधी समस्याओं का समाधान किया गया है और अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। केंद्रीय मंत्री श्री दुर्गादास उडके ने जिले में स्वीकृत निर्माण कार्यों को शीघ्र प्रारंभ कर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

## शासकीय आईटीआई द्वारा सामूहिक प्रचार प्रसार किया गया



### कलेक्टर ने विभिन्न विभागीय कार्यों की समीक्षा कर दिए आवश्यक निर्देश

**विदिशा (निप्र)।** कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने आज आयोजित राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक में विभिन्न विभागों से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। बैठक में शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं एवं जनहित से जुड़े मुद्दों की प्रगति की समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री गुप्ता ने बैठक में सबसे पहले नरवाई प्रबंधन के संबंध में गत वर्ष की गई कार्यवाही की जानकारी ली गई। अधिकारियों द्वारा

बताया गया कि किसानों को जागरूक करने, फसल अवशेष प्रबंधन के लिए मशीनों की उपलब्धता तथा नरवाई जलाने की घटनाओं पर नियंत्रण हेतु व्यापक अभियान चलाया गया था। कलेक्टर ने आगामी सीजन को ध्यान में रखते हुए सभी से कार्ययोजना तैयार करने एवं किसानों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए। इसके पश्चात जनगणना कार्यों की तैयारियों एवं प्रगति पर चर्चा की गई। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनगणना

**विदिशा (निप्र)।** विदिशा जिले की समस्त शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं (आईटीआई) ने सत्र 2026-27 हेतु आज शनिवार को एमपी बोर्ड द्वारा आयोजित पूरक परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा उपरांत छत्र-छत्राओं को शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था आईटीआई में प्रवेश हेतु पम्पलेट बांटकर आईटीआई में संचालित व्यवसायों की जानकारी देकर सामूहिक रूप से प्रचार प्रसार किया गया। छत्र छत्राओं को बताया गया कि शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था में प्रशिक्षण प्रशिक्षणार्थियों को व्यावहारिक तकनीकी ज्ञान प्रदान करता है, जिससे उन्हें रोजगार एवं स्वरोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त होते हैं। साथ ही प्रशिक्षण उपरांत अप्रेंटिसशिप एवं प्लेसमेंट की सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाती हैं।

कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही न हो तथा निर्धारित समय-सीमा में सभी तैयारियां पूर्ण की जाएं। उन्होंने मैदानी अमले के प्रशिक्षण एवं आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर भी बल दिया। बैठक में जल आपूर्ति व्यवस्था की भी समीक्षा की गई। ग्रामी कौशल को देखते हुए ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति सुचारू बनाए रखने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि जहां भी पेयजल संकट की संभावना हो वहां तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा खराब हैंडपंप एवं पाइपलाइन सुधार कार्य प्राथमिकता से कराए जाएं।



## नेशनल लोक अदालत में 1716 प्रकरणों का निराकरण, 21 यूनिट रक्त संग्रहित

**विदिशा (निप्र)।** जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं जिला न्यायालय विदिशा के तत्वावधान में आज जिला एवं तहसील स्तर पर नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला न्यायालय परिसर विदिशा में रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया, जिसमें उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए 21 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। प्रधान जिला एवं सहाय्य न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री शेख सलीम के मार्गदर्शन तथा श्री जी.सी. शर्मा, विशेष न्यायाधीश एवं जिला समन्वयक नेशनल लोक अदालत

के कुशल निर्देशन में आयोजित इस लोक अदालत में विभिन्न प्रकार के लंबित एवं प्रीलिटिगेशन प्रकरणों का आपसी सहमति से निराकरण किया गया। जिला मुख्यालय विदिशा में नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। कार्यक्रम में प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय श्री आयुषोष मिश्र, विशेष न्यायाधीश श्री जी.सी. शर्मा, जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष श्री संतोष शर्मा, सचिव श्री राजेन्द्र सिंह दांगी सहित न्यायिक अधिकारी, अधिवक्तागण, स्टाफ एवं पत्रकारगण उपस्थित रहे।

## पानी प्रकृति का वरदान है, आने वाली पीढ़ी के लिए इसे सहेजना होगा: प्रभारी मंत्री श्री पंवार

### जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत प्रभारी मंत्री ने श्रमदान कर की तालाब की सफाई

**रायसेन (निप्र)।** प्रदेश के मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास विभाग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा जिले के प्रभारी मंत्री श्री नारायण सिंह पंवार द्वारा रायसेन स्थित पूरन तालाब पर जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम में सहभागिता की गई।

कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री श्री पंवार, सांची विधायक डॉ. प्रभुराम चौधरी, भोजपुर विधायक श्री सुरेंद्र पटवा, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री यशवंत मीणा, पूर्व कैबिनेट मंत्री श्री रामपाल सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधियों तथा कलेक्टर श्री अरुण कुमार विश्वकर्मा द्वारा श्रमदान कर तालाब की साफ सफाई की गई। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री श्री पंवार ने कहा कि पानी प्रकृति का वरदान है, आने वाली पीढ़ी के लिए हमें पानी को



बचाकर रखना होगा। इसके लिए हमें हमारे संसाधनों, जल स्रोतों को सहेजना जरूरी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा शुरू किया गया जल गंगा संवर्धन अभियान जल स्रोतों के संरक्षण के साथ ही बारिश की बूंद-बूंद

को सहेजने का अभियान है। गुड़ी पड़वा से शुरू हुआ यह अभियान 30 जून तक चलेगा। प्रभारी मंत्री श्री पंवार ने कहा कि आज पानी को सहेजना अति आवश्यक है। 21वीं सदी में पानी के महत्व को ध्यान में

रखते हुए सभी को पानी बचाने का प्रयास करना होगा। इसके लिए पानी के स्रोतों को रीचार्ज करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि प्राचीन काल से तालाब निर्माण होता आ रहा है। जिनमें 12 महीने के लिए पानी सहेजा जाता था। वर्तमान में पानी का संकट गहराता जा रहा है।

आज विज्ञान उन्नत है। जिसका उपयोग करते हुए जल संरचनाओं को मजबूत करना है। प्रभारी मंत्री श्री पंवार ने कहा है प्रकृति को बचाने के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाएँ, पार्क स्थापित किए जाएँ और पर्यटन स्थल की तरह इनका विकास हो। साफ सफाई हो, स्वच्छता रहे। बारिश के पानी को सहेजना के लिए शासकीय भवनों के साथ ही निजी भवनों में भी वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम होना जरूरी है। इस अवसर पर सांची विधायक डॉ. प्रभुराम चौधरी ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान पुराने जल

स्रोतों की सफाई और संरक्षण का अभियान है। जिससे की प्राचीन जल स्रोतों को पुनर्जीवित किया जा सके। उन्होंने कहा कि पूरन तालाब प्राचीन तालाब है, अभियान के तहत यहां तालाब की पिचिंग की गई है तथा बाउंड्रीवॉल बनाई गई है।

उन्होंने कहा कि अभियान के तहत प्राचीन जल स्रोतों की साफ सफाई के साथ ही सोख पिट आदि का निर्माण भी किया जा रहा है। सामूहिक रूप से श्रमदान कर जल स्रोतों की साफ-सफाई की जा रही है। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सविता सेन ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर सांची जनपद अध्यक्ष श्रीमती अर्चना पोते, पुलिस अधीक्षक श्री आशुतोष गुप्ता, जिला पंचायत सीईओ श्री सिरस्टम होना जरूरी है। इस अवसर पर सांची विधायक डॉ. प्रभुराम चौधरी ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान पुराने जल

# 101 पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों को मिले रुस्तमजी अवॉर्ड सीएम ने पुलिस अधिकारियों को के.एफ. रुस्तमजी पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया

## जिले में पुलिसकर्मी ले सकेंगे आवास, सीएम बोले- हाउसिंग बोर्ड, प्राधिकरणों से मैं बात करूंगा

भोपाल (नप्र)। भोपाल के रविंद्र भवन में सोमवार को आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने के.एफ. रुस्तमजी पुरस्कार से पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को अलंकृत किया गया। यह सम्मान साल 2019-20 और 2021-22 की अवधि में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए प्रदान किया गया है।

पुरिस के 101 अधिकारियों और कर्मचारियों को सीएम डॉ. मोहन यादव ने डीजीपी कैलाश मकवाना के साथ सम्मानित किया। इस दौरान मंच पर एडीजी चंचल शेखर, आदर्श कटियार मौजूद थे।

इस दौरान सीएम ने कहा- पुलिस के जवानों को जिले के अंदर जहां उनकी पात्रता है, अगर वो आवास लेना चाहे तो वहां हाउसिंग बोर्ड, प्राधिकरण से मैं बात करने वाला हूँ कि हमारे जवानों को भी आवास दीजिए। उनकी चिंता करना हमारी सरकार की आवश्यकता है।

**2013 से शुरू हुआ रुस्तमजी पुलिस अवॉर्ड-** समारोह को संबोधित करते हुए डीजीपी कैलाश मकवाना ने कहा-2013 से स्थापित रुस्तम जी पुरस्कार जो हमारे 101 पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों को दिया जाएगा। यह पुरस्कार 2019-20 और 2021-22 के लिए जा रहे हैं।

शासन की स्वीकृतियों के बाद बजट और लायसेंस बनाने की प्रक्रिया भी पालन कराई गई। जब से यह पुरस्कार शुरू हुआ है। उसके बाद 418 पुलिस अधिकारियों को आज तक पुरस्कार दिया जा चुका है।

इन्हें दस्यु उन्मूलन, नक्सल विरोधी अभियान, दंगे या तनाव रोकने, कानून व्यवस्था की गंभीर परिस्थितियों को नियंत्रण करने में वीरता के प्रदर्शन और व्यवसायिक दक्षता के प्रदर्शन में यह पुरस्कार दिए जाते हैं।

**तीन श्रेणियों में यह पुरस्कार दिए गए**

- परम विशिष्ट श्रेणी में पांच लाख रुपए या हथियार दिया जाएगा। इस श्रेणी में 7 अधिकारी सम्मानित किए जा रहे हैं।
- अति विशिष्ट श्रेणी में दो लाख रुपए या हथियार दिया जाएगा। इसमें आठ पुरस्कार दिए जा रहे हैं।
- विशिष्ट श्रेणी में 50 हजार रुपए अधिकारी

## डीजीपी कैलाश मकवाना ने पिता के डीएसपी बनने और नौकरी छोड़ने का किस्सा सुनाया

डीजीपी कैलाश मकवाना ने कहा बचपन से मैंने सुना है, खुसरो फारमोज रुस्तमजी जिन्हें के.एफ. रुस्तमजी के नाम से जाना जाता है। डीजीपी ने एक वाकिया सुनाया और कहा 1968 बैच में मेरे पिता डीएसपी में चयनित हुए थे। उसके 7 साल पहले रुस्तम जी 1958 से 1965 तक प्रदेश के दूसरे पुलिस मुखिया रहे हैं। उन्होंने मप्र पुलिस में कई परंपराएं स्थापित करने में योगदान दिया। मेरे पिता के बैचमेंट रघुवंशी, आरके त्रिपाठी जो एडीजी से रिटायर हुए। चार डीएसपी चयनित हुए थे और ट्रेनिंग के दौरान पिताजी जब रतलाम से आ रहे थे तो बाजना की घाटी में बस ड्राइवर ने शराब के नशे में था उसने एक्सिडेंट कर दिया। उस घटना में कुछ लोगों की मृत्यु भी हुई कुछ घायल हुए उनमें मेरे पिता भी थे। बस का शीशा तोड़कर बाहर निकले फिर रतलाम के सरकारी अस्पताल में कुछ दिन भर्ती रहे। रीढ़ की हड्डी में चोट के बावजूद उन्होंने फिर से ट्रेनिंग जॉइन की। डीजीपी मकवाना ने कहा- आप सब जानते हैं कि पुलिस ट्रेनिंग में पीटी, परेड, रस्सा, बैक रोल, फंट रोल ये सब होता है इसमें उन्हें दर्द रहने लगा। डॉक्टरों ने उन्हें सलाह दी कि आप पुलिस की नौकरी आगे कंट्रीन्यू मत करिए। वरना आगे आपको पैरालिसिस हो सकता है। इन परिस्थितियों में उन्हें डीएसपी की नौकरी छोड़नी पड़ी। सौभाग्य से वे पहले नायब तहसीलदार पद पर थे। वो नौकरी उन्होंने वापस जॉइन की और वे डिप्टी कलेक्टर पद से रिटायर हुए।

## आदिवासियों के खिलाफ अपराध में मप्र फिर नंबर-1

देश के 32 प्रतिशत मामले अकेले मध्य प्रदेश में



भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश एक बार फिर आदिवासियों के लिए देश का सबसे असुरक्षित राज्य बनकर उभरा है। एनसीआरबी 2024 के आंकड़ों के अनुसार, देश भर में आदिवासियों के खिलाफ दर्ज कुल मामलों में से अकेले 31.75 प्रतिशत मामले मध्य प्रदेश में दर्ज किए गए हैं। यह लगातार दूसरा साल है जब राज्य इस शर्मनाक सूची में पहले स्थान पर है।

**मणिपुर जैसे हालात, आंकड़ों में खौफ**

हैरानी की बात यह है कि जातीय हिंसा से जुड़ रहे मणिपुर में जहां 2023 में 3,399 मामले दर्ज हुए थे, वहीं मध्य प्रदेश में बिना किसी बड़े दंगे के 2024 में 3,165 मामलों के साथ लगभग उसी स्तर पर

पहुंच गया है। हत्या के मामलों में भी राज्य ने राष्ट्रीय औसत (13 प्रतिशत) को पीछे छोड़ते हुए 24 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है।

**बेटियां सबसे अधिक निशाने पर**

आंकड़ों का सबसे भयावह पहलू आदिवासी महिलाओं की सुरक्षा है। 2024 में राज्य में आदिवासी महिलाओं से रेप के 358 मामले दर्ज हुए, जो पूरे भारत का 28 प्रतिशत है। इसके अलावा, पार्सकों के तहत आदिवासी बच्चों के खिलाफ अपराध के मामले भी 132 से बढ़कर 137 हो गए हैं। अपहरण और जबरन शादी के लिए मजबूर करने के मामलों में भी एमपी और गुजरात संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं।

**इंसानियत को शर्मसार करती घटनाएं**

रिपोर्ट में इंदौर की उस घटना का जिक्र है जहां एक आदिवासी युवक से सरेहद जुते के फीते बंधवाए गए। वहीं, सिंगरीली में अवैध रेत उत्खनन रोकने पर आदिवासी किसान इंदरपाल अगरिया को ट्रैक्टर से कुचल दिया गया। इन घटनाओं ने साबित किया है कि आंकड़े केवल नंबर नहीं, बल्कि जमीन पर आदिवासियों के साथ हो रही बर्बरता की गवाही दे रहे हैं।

## मप्र के 8 जिलों में बारिश का अलर्ट

30-40किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से आंधी चलेगी ; भोपाल-इंदौर संभाग में तेज गर्मी रहेगी

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश में दो टर्फ और एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन एक्टिव होने से सोमवार को भी आंधी-बारिश का दौर रहेगा। मंडला, सिवनी समेत 8 जिलों में अलर्ट है। दूसरी ओर, भोपाल, इंदौर और उज्जैन संभाग में तेज गर्मी पड़ेगी। रविवार को रतलाम में पारा रिकॉर्ड 45.5 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया था।

आईएमडी भोपाल के अनुसार, सोमवार को बैतूल, छिंदवाड़ा, पांडुरंगा, सिवनी, बालाघाट, मंडला, डिंडौर और अनूपपुर में 30 से 40एमपी प्रतिघंटा की रफ्तार से आंधी और बारिश का अनुमान है। इसकी वजह टर्फ और चक्रवात का एक्टिव होना है। रविवार को तीन सिस्टम एक्टिव रहे। इससे इंदौर, भोपाल, नर्मदापुरम, सागर, जबलपुर और शहडोल संभाग के 18 जिलों में मौसम बदला रहा। कहीं बादल छाप तो कहीं बूंदबादी हुई।

## एमपी लोक अदालत में एक ही दिन में सुलझे 1.14 लाख केस

800 करोड़ से ज्यादा की अवॉर्ड राशि मंजूर

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश के लोगों के लिए शनिवार का दिन राहत भरा साबित हुआ। प्रदेश भर में आयोजित नेशनल लोक अदालत के दौरान आपसी सहमति और मध्यस्थता के जरिए रिकॉर्ड 1.14 लाख से अधिक मामलों का निपटारा किया गया। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा ने इस राज्यव्यापी अभियान का उद्घाटन किया, जिसके लिए प्रदेश भर में कुल 1,459 बेंचों का गठन किया गया था।

करोड़ों का हुआ सेटलमेंट- इस मेगा एक्सप्रेससाइज के दौरान न केवल पुराने लंबित मामले सुलझाए गए, बल्कि मुकदमेबाजी से पहले के मामलों को भी खत्म किया गया। पक्षकारों को कुल 800 करोड़ रुपये से अधिक की अवॉर्ड राशि प्रदान की गई। हाई कोर्ट की जबलपुर, इंदौर और ग्वालियर पीठों में भी आठ विशेष बेंचों ने इस प्रक्रिया को गति दी।

**भोपाल जिला अदालत का प्रदर्शन**

राजधानी भोपाल में जिला एवं सत्र न्यायाधीश मनोज कुमार श्रीवास्तव ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर लोक अदालत की शुरुआत की। भोपाल में गठित 61 बेंचों ने दिन भर में 17,517 मामलों का निपटारा किया। इनमें 2,963 लंबित मामले और 14,554 प्री-लिटिगेशन मामले शामिल थे। भोपाल के पक्षकारों के पक्ष में 39 करोड़ रुपये के अवॉर्ड पारित किए गए।

## 'मैं पुलिस में सिलेक्ट हुआ तो पिता बोले- बेटा खाकी की सेवा करेगा'

डीजीपी ने कहा- जब 1988 में मेरा पुलिस में चयन हुआ तो उन्हें इस बात पर बहुत गर्व हुआ कि जिस खाकी की सेवा वो नहीं कर पाए वो खाकी में सेवा का काम उनका पुत्र करेगा। 1958 से 1965 तक रुस्तमजी प्रदेश के पुलिस मुखिया रहे। दस्यु उन्मूलन में उन दिनों उत्कृष्ट काम हुआ। 1965 में जब वे प्रदेश से गए तो इंडो पाक वॉर के परिप्रेक्ष्य में बीएसएफ का गठन हुआ और वे बीएसएफ के फाउंडर डीजी रहे। एलीट फोर्स को लगातार इंटरनल सिक्चोरिटी फोर्स में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहे हैं। उसमें उनका बड़ा रोल है।

## सीएम यादव के नेतृत्व में प्रदेश को कई उपलब्धियां हासिल हुईं

डीजीपी ने कहा- हमारे मुख्यमंत्री जो प्रदेश के गृह मंत्री भी हैं उनके नेतृत्व में प्रदेश ने कई अभूतपूर्व सफलताएं अर्जित कीं। 11 दिसंबर 2025 को प्रदेश को नक्सल मुक्त कराया। डायल 112 सेवा की शुरुआत की। पुलिस बल की कमी को दूर करने पिछले साल 7500 कॉन्स्टेबल को मिलकर 8500 पदों पर भर्ती को मंजूरी दी। इस महीने तक सभी पदों पर जॉइनिंग हो जाएगी। 110 हजार से ज्यादा पदों पर भर्ती की मंजूरी हमें जल्दी मिलने की संभावना है क्योंकि सिंहस्थ 2028 एक बहुत बड़ी चुनौती है। हमें फोर्स को भर्ती करके ट्रेनिंग देकर ग्राउंड पर पहुंचाना बहुत जरूरी है। सिंहस्थ की तैयारियां जारी हैं।

डीजीपी ने कहा- कम्यूनिटी पुलिसिंग में पिछले साल नशे से दूरी है जरूरी में लाखों स्ट्रैटेंस ने हिस्सा लिया। अगले तीन सालों में प्रदेश को नार्कोटिक्स ड्रग्स से मुक्त करना एक टारगेट है। उसमें सुनियोजित ढंग से आगे बढ़ने की आवश्यकता है।

## मोहन कैबिनेट के मंत्रियों का बड़ेगा स्वेच्छानुदान

राज्यमंत्री अभी दो करोड़ का स्वेच्छानुदान करते हैं खर्च, तीन करोड़ तक बढ़ सकती है राशि



भोपाल (नप्र)। मोहन यादव सरकार सोमवार को प्रदेश के राज्य मंत्रियों के स्वेच्छानुदान की राशि बढ़ाए जाने के मामले में फैसला करेगी। अभी राज्य मंत्रियों के लिए दो करोड़ रुपए का स्वेच्छानुदान तय है, जिसे बढ़कर तीन करोड़ रुपए किया जा सकता है।

मोहन कैबिनेट में आज एजेंडे में राज्य मंत्रियों के स्वेच्छानुदान बढ़ाने को लेकर प्रस्ताव है लेकिन माना जा रहा है कि इसमें कैबिनेट मंत्रियों के स्वेच्छानुदान बढ़ाने को भी मंजूरी मिल सकती है।

कैबिनेट बैठक शुरू हो गई है। इसमें वित्त, जल संसाधन, लोक निर्माण, विधि, स्वास्थ्य एवं सामाजिक न्याय सहित कई विभागों के महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर चर्चा कर निर्णय लिया जाएगा। इस बैठक के जो प्रमुख एजेंडे हैं, उसमें लोक वित्त पोषित योजनाओं और परियोजनाओं के लिए 16वें केंद्रीय वित्त आयोग की अवधि (1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031) तक

निरंतरता की स्वीकृति देने संबंधी प्रस्ताव प्रमुख है। इसके तहत 500 करोड़ रुपये से अधिक और कम लागत वाली विभिन्न योजनाओं को जारी रखने पर विचार होगा।

**कैबिनेट में इन मुद्दों को भी मिलेगी मंजूरी**

जल संसाधन विभाग की ओर से खुमानसिंह शिवाजी जलाशय (ठिकरिया तालाब) सूक्ष्म सिंचाई परियोजना की प्रशासनिक स्वीकृति का प्रस्ताव रखा जाएगा। इसके अलावा विभागीय अधिकारियों के खिलाफ पेंशन नियमों के अंतर्गत विभागीय जांच से जुड़े मामलों पर भी चर्चा होगी।

सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा राज्य मंत्रियों को दिए जाने वाले स्वेच्छानुदान की राशि से संबंधित प्रस्ताव और सेवानिवृत्त अधिकारियों को सविदा नियुक्ति देने का विषय भी एजेंडे में शामिल है।

लोक निर्माण विभाग की ओर से शहरी एवं नगरीय मार्गों के नव निर्माण, उन्नयन और सड़कों के

सुदृढ़ीकरण संबंधी योजनाओं को 16वें वित्त आयोग की अवधि तक जारी रखने का प्रस्ताव रखा जाएगा।

विधि एवं विधायी कार्य विभाग ने जबलपुर स्थित उच्च न्यायालय परिसर में मल्टीलेवल वाहन पार्किंग और बार ऑफिस निर्माण परियोजना को सूचकांक गणना से मुक्त रखने का प्रस्ताव एजेंडे में शामिल किया है।

सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगन सशक्तिकरण विभाग द्वारा राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम के अंतर्गत इंदिरा गांधी राष्ट्रीय युवावस्था पेंशन योजना को निरंतर जारी रखने का प्रस्ताव रखा जाएगा।

लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग की ओर से बुधनी में नवीन चिकित्सा महाविद्यालय, संबद्ध अस्पताल, नर्सिंग कॉलेज एवं पैरामेडिकल कॉलेज की स्थापना की पुनरीक्षित प्रशासनिक स्वीकृति का मामला भी बैठक में चर्चा के लिए रखा गया है।

## भोपाल के डेम में मिली मूकबधिर युवक की लाश

पिता बोले- हत्या कर शव फेंका गया, बाँड़ी पर चोटों के निशान हैं

भोपाल (नप्र)। भोपाल के हथाईखेड़ा डेम में सोमवार सुबह एक युवक की लाश मिली। मृतक की पहचान 28 वर्षीय अमित विश्वकर्मा के रूप में हुई है। वह इंदौर में होटल में नौकरी करता था और मूकबधिर था। पुलिस ने मार्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिवारों को सौंप दिया गया।

**इंदौर में करता था नौकरी-** अमित विश्वकर्मा पिता शिवरव विश्वकर्मा, इंदौर के संजीव नगर का रहने वाला था। वह बचपन से बोल नहीं पाता था और इंदौर के एक होटल में काम करता था।

परिजनों के अनुसार अमित करीब 15 दिन पहले पिता से मिलने आया था। इसके बाद वह वापस इंदौर लौट गया था।

## भोपाल में कब्रिस्तान के नीचे मेट्रो... अब हिंदू संगठन की आपत्ति

कहा-मेट्रो की जरूरत सरकार तय करती है; विकास कार्य में बाधक नहीं बनना चाहिए

भोपाल (नप्र)। भोपाल में कब्रिस्तान के नीचे से मेट्रो के गुजरने को लेकर वक्फ बोर्ड में सुनवाई चल रही है। स्टे पर बहस के लिए 14 मई की तारीख तय की गई है। इसमें मेट्रो प्रबंधन अपना पक्ष रखेगा। इससे पहले हिंदू संगठनों ने आपत्ति जताई है। संगठन पदाधिकारियों का कहना है कि मेट्रो की जरूरत सरकार तय करती है। किसी को भी विकास में बाधक नहीं बनना चाहिए। बता दें कि मेट्रो प्रोजेक्ट को लेकर वक्फ संपत्तियों पर विवाद अब कानूनी हो गया है। भोपाल टांकीज स्थित प्राचीन कब्रिस्तान के नीचे प्रस्तावित अंडरग्राउंड मेट्रो लाइन और नारियलखेड़ा की वक्फ जमीन पर निर्माण के खिलाफ कमेट्री इंतजामियां औकाफ-ए-आम्मा ने मध्यप्रदेश राज्य वक्फ अधिकरण में दो अलग-अलग प्रकरण दायर किए हैं। दोनों मामलों में मेट्रो निर्माण पर तत्काल रोक लगाने की मांग की गई है।

**समुदाय के हिसाब से नहीं गिने जाएं धर्मस्थल**

इसे लेकर सोमवार को हिंदू उत्सव समिति और संस्कृति बचाओ मंच आगे आए। अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी ने कहा कि अगर कब्रिस्तान और अन्य धर्म स्थल विकास कार्य में बाधक हैं और उन्हें नहीं हटाया जा रहा तो हिंदू धर्म स्थलों को भी हटाने नहीं दिया जाएगा। यदि विकास कार्य में बाधक बन रहे धर्मस्थलों को समुदाय के अनुसार गिना जाएगा तो इसे हिंदू उत्सव समिति बर्दाश्त नहीं करेगी।

भोपाल में मेट्रो की जरूरत है या नहीं? यह विवादास्पद तय नहीं करेगा। सरकार जरूरत के हिसाब से तय करती है। हिंदू समाज हमेशा से सहयोगी भूमिका निभाकर विकास कार्य में अपना सहयोग प्रदान करता है किंतु अगर सिर्फ हिंदू समाज के धार्मिक स्थलों को हटाया जाएगा तो यह उचित नहीं होगा और इन्हें हिंदू उत्सव समिति हटाने नहीं देगी।

**अंडरग्राउंड मेट्रो लाइन पर यह है विवाद**

याचिका में हमीदिया रोड स्थित मासूमा तकि्या अम्मनशाह, मरिखद नूरानी, मुहम्मदशाह और अन्य पंजीकृत वक्फ कब्रिस्तान क्षेत्रों के नीचे से अंडरग्राउंड मेट्रो लाइन निकालने की योजना पर आपत्ति दर्ज कराई गई है। याचिका में कहा गया है कि यह कब्रिस्तान न केवल ऐतिहासिक और धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि शहर के सबसे पुराने और बड़े कब्रिस्तानों में शुमार है, जहां हजारों की संख्या में कब्रें मौजूद हैं।

## एमपी में फिलहाल शुरू नहीं होंगे परिवहन चेक पोस्ट

हाईकोर्ट ने लगाया स्टे ; पिछले महीने दिया था इन्हें खोलने का आदेश



भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने आज प्रदेशभर में बंद पड़े परिवहन (आरटीओ) चेक पोस्टों को दोबारा शुरू करने के अपने पूर्व आदेश पर स्टे (रोक) लगा दी है। इससे परिवहन क्षेत्र में हलचल मच गई है और ट्रांसपोर्ट व्यवसायियों को राहत मिली है।

हाईकोर्ट की जबलपुर बेंच ने 16 अप्रैल 2026 को एक अक्मानना याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार को सख्त निर्देश दिए थे कि सभी बंद चेक पोस्ट 30 दिनों के अंदर दोबारा चालू किए जाएं। जस्टिस विशाल मिश्रा की एकलपीठ ने यह आदेश सहित याचिका और ओवरलॉडिंग नियंत्रण से जुड़े मुद्दे पर दिया था।

रोकथाम और परिवहन नियमों के पालन के लिए जरूरी हैं। आज कोर्ट ने उसी ऑर्डर को स्टे कर दिया- आज हाईकोर्ट ने उसी आदेश पर स्टे दे दिया। इससे चेक पोस्ट दोबारा शुरू करने की प्रक्रिया

तत्काल प्रभाव से रूक गई है। यह फैसला संभवतः सरकार की अपील या संबंधित पक्षों की याचिका पर आया है। भोपाल के ट्रांसपोर्ट अमन भांसले ने हाईकोर्ट में रिक्वे पिटीशन दाखिल की थी। जिस पर सुनवाई करते हुए स्टे ऑर्डर जारी किया गया है।

**जुलाई 2024 से बंद हुए थे चेक पोस्ट-** 1 जुलाई 2024 से प्रदेश के अंतरराज्यीय चेक पोस्ट बंद कर दिए गए थे। सरकार का तर्क था कि इससे परिवहन क्षेत्र को सुविधा मिलेगी और अनावश्यक चेकिंग से बचत होगी। परिवहन मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने अप्रैल के अंत में कहा था कि सरकार हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देगी और लीगल ओपिनियन ले रही है।